UNIVERSITY OF RAJASTHAN, JAIPUR

M.A./~~M.SC./M.COM~~

(---HINDI---------------)

2013-2014 (PREVIOUS)-I/II SEMESTER

2014-2015 (FINAL)- III/IV SEMESTER

Prepared by 6/9.

Checked by 7/9

MA HINDI - 2013-2015

D	1.50 to 2.49	0.12
E	0.50 to 1.49	0.08
F	0.00 to 0.49	0.5

For example (i) CGPA of 5.73 is equivalent to 86.5%, (ii) CGPA of 5.12 is equivalent to 71.2%, (iii) CGPA of 4.34 is equivalent to 63.4%, (iv) CGPA of 3.26 is equivalent to 52.6%, (v) CGPA of 2.13 is equivalent to 41.04%, and (vi) CGPA of 1.11 is equivalent to 29.88%

2. **Eligibility:**

A candidate who has secured minimum 50% or CGPA of 3.0 in the UGC Seven Point scale [45% or CGPA 2.5 in the UGC Seven Point Scale for SC/ST/Non-creamy layer OBC] or equivalent in the Bachelor degree in any stream. There will be an Entrance Exams for non subject students.

3. **Scheme of Examination:**

Specified with each paper separately.

4. Semester Structure:

The details of the courses with code, title and the credits assign are as given below.

Abbreviations Used

Course Category

CCC: Compulsory Core Course

ECC: Elective Core Course

OEC: Open Elective Course

SC: Supportive Course

SSC: Self Study Core Course

SEM: Seminar

PRJ: Project Work

RP: Research Publication

Contact Hours

L: Lecture

T: Tutorial

P: Practical or Other

S: Self Study

Relative Weights

IA: Internal Assessment (Attendance/Classroom Participation/Quiz/Home Assignment etc.)

ST: Sessional Test

EoSE: End of Semester Examination

First Semester:

S. No.	Subject Code	Course Title	Course Category	Credit	Contact Hours Per week			EoSE Duration (Hrs.)	
					L	T	P*	Thy	P
1.	HIN 101	हिन्दी उपन्यास	CCC	9	4	2	3	3	0
2.	HIN 102	हिन्दी साहित्य का इतिहास	CCC	9	4	2	3	3	0
3.	HIN 103	प्राचीन हिन्दी कविता	CCC	9	4	2	3	3	0
4.	HIN 104	हिन्दी निबन्ध तथा अन्य गद्य विधाएँ	CCC	9	4	2	3	3	0

* संवाद,प्रस्तुति, साहित्यिक गतिविधि

Second Semester

S. No.	Subject Code	Course Title	Course Category	Credit	Contact Hours Per week			EoSE Duration (Hrs.)	
					L	T	P*	Thy	P
1.	HIN 201	मध्यकालीन हिन्दी कविता	CCC	9	4	2	3	3	0
2.	HIN 202	हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल एवं आधुनिककाल)	CCC	9	4	2	3	3	0
3.	HIN 203	भारतीय काव्य शास्त्र	CCC	9	4	2	3	3	0
4.	HIN 204	हिन्दी कहानी	CCC	9	4	2	3	3	0

* संवाद,प्रस्तुति, साहित्यिक गतिविधि

Third Semester

S. No.	Subject Code	Course Title	Course Category	Credit	Contact Hours Per week			EoSE Duration (Hrs.)	
					L	T	P*	Thy	P
1.	HIN 301	हिन्दी नाटक एवं रंगमंच	CCC	**9**	4	2	3	3	0
2.	HIN 302	आधुनिक हिन्दी कविता–प्रथम	CCC	**9**	4	2	3	3	0
3.	HIN 303	पाश्चात्य आलोचना	CCC	**9**	4	2	3	3	0
4.		विषय विकल्प –प्रथम	ECC	**9**	4	2	3	3	0

* संवाद, प्रस्तुति, साहित्यिक गतिविधि

Fourth Semester

S. No.	Subject Code	Course Title	Course Category	Credit	Contact Hours Per week			EoSE Duration (Hrs.)	
					L	T	P*	Thy	P
1.	HIN 401	हिन्दी आलोचक और आलोचना	CCC	**9**	4	2	3	3	0
2.	HIN 402	भाषा विज्ञान	CCC	**9**	4	2	3	3	0
3.	HIN 403	आधुनिक हिन्दी कविता II	CCC	**9**	4	2	3	3	0
4.		विषय विकल्प –द्वितीय	ECC	**9**	4	2	3	3	0

* संवाद, प्रस्तुति, साहित्यिक गतिविधि

Elective Core Courses:

Specialization Clusters

A. Third Semester
B. Fourth Semester

Elective Course Code	Specialization	Paper Title	Prerequisite	Semester
HIN A01		पत्रकारिता एवं जनसंचार		
HIN A02		अपभ्रंश भाषा और साहित्य		
HIN A03		कबीरदास		
HIN A04		लोक साहित्य		
HIN A05		निराला		
HIN A06		साहित्य और विचाराधारा		
HIN A07		अनुवाद सिद्धान्त और प्रविधि		
HIN A08		सूरदास		
HIN A09		स्त्री लेखन		
HIN B01		राजस्थानी भाषा और साहित्य		
HIN B02		तुलसीदास		
HIN B03		रांगेय राघव		
HIN B04		भारतेन्दु हरिश्चन्द्र		
HIN B05		हिन्दी सिनेमा		

HIN B06		प्रेमचन्द		
HIN B07		साहित्य रुपों का सामाजिक सन्दर्भ		
HIN B08		दलित और आदिवासी साहित्य		

चतुर्थ सेमेस्टर के चतुर्थ वैकल्पिक प्रश्न पत्र के विकल्प में लधु शोध प्रबन्ध होगा। लधुशोध प्रबन्ध को वे विद्यार्थी ऐच्छिक विषय के रुप में चुन सकते हैं जिन्होने प्रथम दो सेमेस्टरो मे 55% (पचपन प्रतिशत) अंक प्राप्त किये हैं।

HIN 101– हिन्दी उपन्यास

क्रेडिट 4

इस पाठ्यक्रम में निर्धारित उपन्यासों में से किन्हीं पांच की अन्तर्वस्तु और रुप विधान संबंधी विशेषताओं के साथ उनके उपन्यासकारों की समालोचना भी अपेक्षित है।

निर्धारित उपन्यासः किन्हीं चार उपन्यासों का अध्ययन

1. प्रेमचन्द : गोदान
2. अज्ञेय : शेखर एक जीवनी /भाग 1
3. हजारीप्रसाद द्विवेदी : बाणभट्ट की आत्मकथा
4. फणीश्वरनाथ रेणु : मैला आँचल

अनुमोदित ग्रंथ

1. डॉ0 गोपाल राय : गोदान : नया परिप्रेक्ष्य, अनुपम, प्रकाशन, पटना, 2000ई
2. रामविलास शर्मा : प्रेमचन्द और उनका युग, राजकमल, दिल्ली, 1989
3. हंसराज रहबर : प्रेमचन्दः व्यक्तित्व और कृतित्व, आत्माराम, दिल्ली--1962
4. नेमिचन्द जैन : अधूरे साक्षात्कार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1989

5. विजय मोहन सिंह : कथा समय, राधाकृष्ण, दिल्ली 1983
6. ज्ञानचंद जैन : प्रेमचंद पूर्व के हिन्दी उपन्यास, आर्य प्रकाशन मंडल, दिल्ली 1983
7. मधुरेश : हिन्दी उपन्यास का विकास, सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद, 1998
8. गोपाल राय : अज्ञेय और उसके उपन्यास, ग्रन्थ निकेतन, पटना, 1984
9. सं0परमांनद श्रीवास्तवः शेखर एक जीवनी का महत्व, नई कहानी प्रकाशन, इलाहाबाद, 1992
10. राल्फ फॉक्स : उपन्यास और लोक जीवन, पी पी एच दिल्ली, 1980
11. सं0 सत्यप्रकाश मिश्र : गोदान का महत्व, नई कहानी प्रकाशन, इलाहाबाद, 1992
12. ज्योतिष जोशी : उपन्यास की समकालीनता, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नं. दि. 2007
13. सं0 डॉ राजकमल रायः शेखर एक–जीवनीः विविध आयाम, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद

पत्रिकाएं

1. हंस, हिन्दी उपन्यास : एक सदी, जनवरी, 1999, सं0 राजेन्द्र यादव, अक्षर प्रकाशन, 2/36, अंसरी रोड, दरियागंज, दिल्ली, 110002
2. सं0 अखिलेश : तद्भव पत्रिका का श्रीलाल शुक्ल पर एकाग्र अंक मार्च 1990, 18/271, इंदिरा नगर, लखनऊ–16
3. रजा पर केंद्रित नवम्बर 2001–अक्टूबर 2002,223, प्रकाश निकुंज, पावर हाउस रोड़, निजामुद्दीनपुरा, मऊनाथ भंजन–257101(उ0प्र0)
4. सं0 नंदकिशोर नवल : कसौटी पत्रिका, बीसवीं सदी कालजयी कृतियाँ, समापन अंक, सं. 15 पुनश्य पटना 2004

HIN 102 – हिन्दी साहित्य का इतिहास

(आदिकाल एवं मध्यकाल)

क्रेडिट 4 समय 3 घंटे पूर्णांक 100

नोटः– पाँच प्रश्नो के उत्तर अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नो के मान बराबर है। 5X20

इस पाठ्यक्रम में इतिहास की अवधारणा, हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन, साहित्य के इतिहास लेखन की पद्धतियाँ हिन्दी के प्रमुख इतिहास ग्रंथों, साहित्यिक केन्द्रों, पत्र–पत्रिकाओं आदि पर विचार करते हुए हिन्दी साहित्य के इतिहास का गहन अध्ययन अपेक्षित है।

पाठ्यक्रम

1. हिन्दी साहित्य का आरम्भ : कब और कैसे ? पूर्ववर्ती साहित्यिक परम्पराएँ– आदिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य। आदिकालीन काव्य की धाराएं, नाथ, संत, जैन, सिख, रासो, काव्यधाराएँ फुटकर रचनाएं।
2. रामकाव्य कृष्णकाव्य, भक्ति आन्दोलन के उदय के सामाजिक सांस्कृतिक कारण–सगुण और निगुर्ण भक्ति का सामाजिक आधार–प्रमुख सगुण–निगुर्ण कवि और उनकी रचनाओं में समकालीन समाज का चित्र, भक्ति काल की उपलब्धियाँ भारत में सूफी मत का उदय और विकास, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और उनका काव्य।

सन्दर्भ ग्रंथः–

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्य का इतिहास
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्य की भूमिका
3. रामचन्द्र शुक्ल – हिन्दी साहित्य का इतिहास
4. विश्वनाथ त्रिपाठी – हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास

HIN 103– प्राचीन हिन्दी कविता

पूर्णांक 100 समय 3 घंटे

क्रेडिट 4

नोटः– पाँच प्रश्नो के उत्तर अनिवार्य हैं। आलोचनात्मक प्रश्न(4X15) ~~व्याख्या चार~~ (4X10)

इस पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्यांश की व्याख्या और काव्य – सौन्दर्य के साथ–साथ कवियों की समालोचना भी अपेक्षित है।

अमीर खुसरो – अमीर खुसरो और उनका हिन्दी साहित्य प्रभात प्रकाश, न. दि. 2004 (संकलन भोलानाथ तिवारी) गीत 2,7 काव्ववाली 2,3,4 सूफी दोहे 1 से 10 तक

चंद बरदाई – पृथ्वीराज रासउ (संयोगिता परिणय) सं0 हजारी प्रसाद, साहित्य सदन, चिरगॉव, झाँसी

विद्यापति – शिवप्रसाद सिंह द्वारा संपादित 'विद्यापति पदावली से गीत संख्या 3,4,5,6,8,9,10,19,26,36,48,53,54,58,60,79,81,82,95,100 कुल 20 गीत

कबीर – कबीर ग्रंथावलीः साखीः प्रथम पाँच अंगो से निम्नलिखित साखियाँ श्यामसुंदरदार –

1. गुरुदेव कौ अंग– 3,6,7,8,9,10,17,20,22,27
2. सुमिरण कौ अंग– 3,6,7,9,12,16,18,22,27,31
3. बिरह कौ अंग–2,5,7,12,15,16,18,20,22,24
4. ग्यान विरह कौ अंग– 1 से 10 तक
5. परचा कौ अंग– 1,3,5,7,8,9,10,13,17,20

जायसी – 'पदमावत' आ0 रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी इलाहाबाद, स्तुति खंड नागमती वियोग खंड

अनुमोदित ग्रंथ

सं0 हजारी प्रसाद द्विवेदी	–	पृथ्वीराज रासों (भूमिका), इलाहाबाद
हजारी प्रसाद द्विवेदी	–	हिन्दी साहित्य का आदिकाल, पटना–1961
हजारी प्रसाद द्विवेदी	–	कबीर, नई दिल्ली–1990
पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल	–	हिन्दी काव्य में निगुर्ण संप्रदाय, लखनऊ, 1950
सं0 रामचन्द्र शुक्ल	–	जायसी ग्रंथावली (भूमिका), वाराणसी
सं0 माता प्रसाद गुप्त	–	पृथ्वीराज रासउ, झॉसी, 1963
सं0 माता प्रसाद गुप्त	–	पदमावत, इलाहाबाद, 1973
सं0 माता प्रसाद गुप्त	–	बीसलदेव रास (भूमिका), इलाहाबाद, 1987
सं0 वासुदेवशरण अग्रवाल	–	पदमावत झॉसी, सं0 2021 वि0
विजयदेव नारायण साही	–	जायसी, इलाहाबाद, 1983
रघुवंश	–	कबीरः एक नई दृष्टि, इलाहाबाद, 1993

शिवप्रसाद सिंह — विद्यापति, इलाहाबाद, 1976

हजारी प्रसाद द्विवेदी — नाथ–सम्प्रदाय, नई दिल्ली

Choudhary Radha Krishna-- Mithila in age of Vidyapati, Varansi, 1976

HIN 104– हिन्दी निबन्ध तथा अन्य गद्य विधाएँ

क्रेडिट 4 समय 3 घण्टे पूर्णांक 100

नोटः– पाँच प्रश्नो के उत्तर अनिवार्य हैं। आलोचनात्मक प्रश्न(4X15) =60 व्याख्या चार (4x10) = 40

(क) <u>अध्ययन के लिए:</u>

1. हिन्दी–गद्य का उद्भव एवं विकास
2. गद्य–विधाओं की रचनात्मक विशेषताएँ
3. हिन्दी गद्य की शैलियाँ

(ख) <u>निर्धारित रचनाएं तथा रचनाकार निबंध :</u>

1. बालकृष्ण भट्ट	:	साहित्य जन समूह के हृदय का विकास है
2. प्रेमचन्द	:	साहित्य का उद्देश्य
3. रामचन्द शुक्ल	:	श्रद्धा एवं भक्ति
4. हजारी प्रसाद द्विवेदी	:	भारतीय साहित्य की प्राण शक्ति
5. कुबेर नाथराय	:	निसाद बाँसुरी
6. सं. ही वात्स्यायन अज्ञेय	:	सभ्यता ~~की व्यामतें~~ का संकट

<u>रेखाचित्र संस्मरण</u>

महादेवी वर्मा : स्मृति की रेखाएँ, बिबिया

<u>जीवनी</u>

विष्णु प्रभाकर : आवारा मसीहा का एक अंश (शरच्चन्द्र और रवीन्द्रनाथ टैगोर)

<u>रिपोर्ताज</u>

रांगेय राघव : अदम्य जीवन (रांगेय राघव रचनावली, खण्ड–8)

यात्रा वृतांत

भारतेन्दु : सरयूपार की यात्रा

अनुमोदित ग्रंथ

रामचन्द्र शुक्ल : हिन्दी साहित्य का इतिहास, काशी, सं0 2025

हजारी प्रसाद द्विवेदी : साहित्य सहचर, इलाहाबाद, 1976

जगन्नाथ प्रसाद शर्मा : हिन्दी गद्य शैली का विकास, वाराणसी, 1959

लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय : आधुनिक हिन्दी साहित्य, इलाहाबाद, 1971

रामचन्द्र तिवारी : हिन्दी का गद्य साहित्य, वाराणसी, 1968

नंददुलारे वाजपेयी : आधुनिक साहित्य, इलाहाबाद, 1950

विश्वनाथ प्रसाद तिवारी : छायावादोत्तर हिन्दी गद्य साहित्य, दिल्ली, 1968

विजेयन्द्र स्नातक : हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास, दिल्ली, 1962

विभुराम मिश्र : प्रतिनिधि हिन्दी निबन्धकार, इलाहाबाद, 1992

HIN 201– मध्यकालीन हिन्दी कविता

क्रेडिट 4 समय 3 घन्टे पूर्णांक 100

नोटः– आलोचनात्मक प्रश्न (4X15) व्याख्या (4X10)

इस पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्यांश की व्याख्या और काव्य – सौन्दर्य के साथ–साथ कवियों की समालोचना भी अपेक्षित है।

निर्धारित पाठ्यांश

सूरदास : आरम्भिक 25 पद– भ्रमरगीत सार (सं0 रामचन्द्र शुक्ल) पद

तुलसीदास : रामचरित मानस 'उत्तरकांड 19 ग से 31 तक उत्तरकांड 96 'ख' से 107 'क' टीकाकार हनुमान प्रसाद पोद्धार, गीताप्रेस गोरखपुर चौबीसवाँ संस्करण कवितावली। गीता प्रेस, गोरखपुर (सं027) पाठः 83, 84, 85, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 169–177 (रामचन्द्र शुक्ल) न. प्र. स.

बिहारीलाल : बिहारी रत्नाकार (आरम्भ के 50 दोहे)। (रत्नाकार)

घनानंद : घनांनद कवित्त (आरम्भ के 25 छंद)। (विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)

मीरा

मीराबाई : सम्पादक :नरोत्तम स्वामीः मीरा पदावली पद संख्या (कुल 25) प्रथम 25 पद

रहीम : दोहावली के प्रारम्भिक 20 दोहे फुटकर पद 1 से 10 रहीम ग्रन्थावली, सं0 विद्यानिवास मिश्र, गोविन्द रजनीश, वाणी, न. दि. 1999

अनुमोदित ग्रंथ

रामचन्द्र शुक्ल : सूरदास, वाराणसी, संवत् 2030 वि.

रामचन्द्र शुक्ल : गोस्वामी तुलसीदास, वाराणसी, 1970

विश्वनाथ त्रिपाठी : लोकवादी तुलसीदास, नई दिल्ली, 1991

विश्वनाथ प्रसाद मिश्र : बिहारी, वाराणसी, सं0 2029 वि.

बच्चन सिंह : बिहारी का नया मूल्यांकन, इलाहाबाद, 1993

मनाहरलाल गोड़ . घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा, वाराणसी, 1958

हजारी प्रसाद द्विवेदी : सूरसाहित्य, दिल्ली 1973 ई0

नंददुलारे वाजपेयी : महाकवि सूरदास, दिल्ली, 1972

हरवंश लाल शर्मा : सूर और उनका साहित्य, अलीगढ़ सं0 2020 वि0

विश्वनाथ प्रसाद मिश्र : धनानन्द कविता, वाराणसी, सं0 2029 वि0

मैनेजर पाण्डेय : भक्ति–आन्दोलन और सूरदास का काव्य, दिल्ली, 1993

प्रेमशंकर : रामकाव्य और तुलसी, दिल्ली, 1977

मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नं दि. 1988

सावित्री चन्द शोभा : समाज और संस्कृति, नई दिल्ली, 1975

ज्योतिसर शर्मा : श्रृंगारी रीतिमुक्त काव्य में प्रतिशयोक्ति, नई दिल्ली, 1992

HIN 202– हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल एवं आधुनिककाल)

क्रेडिट 4

समय 3 घन्टे पूर्णांक 100

नोटः– पाँच प्रश्नो के उत्तर अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नो के मान बराबर है। 5X20

1. दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य–प्रमुख रीति कवि और उनका काव्य, रीति सिद्ध और रीतिमुक्त काव्य धारा
2. भारतेंदु पूर्व हिन्दी गद्य–1857 का राज्यक्रांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण–भारतेन्दु हरिचन्द्र और उनका मंडल–19वीं शताब्दी में हिन्दी की प्रमुख पत्र–पत्रिकाएँ. भारतेंदु कालीन साहित्य की विशेषताएँ।

   महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग– 'सरस्वती' और हिन्दी नवजागरण–मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा।

   हिन्दी में आधुनिक गद्य विधाओं के उदय और विकास का आकलनः आलोचना, निबंध, नाटक, उपन्यास, कहानी, आत्मकथा, जीवनी, यात्रा–वृत्तांत, संस्मरण आदि। राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन और हिन्दी पर उसका प्रभाव–हिन्दी में स्वच्छंद तावादी प्रवृत्ति का उदय, विकास और छायावाद। 1936 प्रगतिशील आंदोलन और हिन्दी साहित्य– सन् 36 के आसपास स्वाधीनता आंदोलन में परिवर्तन–साहित्य में युगांत का अनुभव–प्रगतिशील साहित्य की विशेषताएँ।
3. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य– देश विभाजन और साहित्य–कविता और नयी कविता। स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य में विचारधारात्मक द्वन्द्व : व्यक्ति स्वातंत्र्य, अस्तित्ववाद, मार्क्सवाद, मनोश्लिेषणवाद आदि।

   आंचलिक उपन्यास और उपन्यासकार–नयी कहानी और उसके बाद की हिन्दी कहानी–नाटक और रंगमंच के क्षेत्र में नये प्रयोग–हिन्दी आलोचना का विकास।
4. समकालीन हिन्दी साहित्य– साहित्यिक पत्रकारिता और लधु पत्रिका आंदोलन–समकालीन हिन्दी साहित्य कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक आदि में नयी प्रवृत्तियों का उदय–हिन्दी साहित्य में स्त्री–लेखन–हिन्दी साहित्य में दलित लेखन–समकालीन हिन्दी साहित्य की विशेषताएँ।

<u>अनुमोदित पुस्तकें</u>

1. रामचन्द्रशुक्ल : हिन्दी साहित्य का इतिहास, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, 1969

2. हजारी प्रसाद द्विवेदी: हिन्दी साहित्यः उद्भव औश्र विकास राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1986

3. हजारी प्रसाद द्विवेदी: हिन्दी साहित्य की भूमिका राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1986

4. रामविलास शर्मा : भारतेंदु युग और हिन्दी भाषा की परम्परा

5. रामविलास शर्मा : भारतेन्दु हरिशचन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ, राजकमल दिल्ली, 1984

6. रामविलास शर्मा : महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण, राजकमल, दिल्ली 1977

7. विश्वनाथ प्रसाद मिश्रः हिन्दी साहित्य का अतीत, दो भाग दिल्ली 1994

8. प्रेमशंकर : भक्तिकाव्य की भूमिका, दिल्ली 1977

9 के दामोदरन : भारतीय चिन्तन परम्परा दिल्ली 1982

10. शिवकुमार मिश्र : भक्तिकाव्य और लोकजीवन, दिल्ली 1993

11. गोविन्द त्रिगुणायत : कबीर की विचारधारा, कानपुर 1968

12. मैनेजर पाण्डेय : भक्ति आंदोलन और सूरदास, दिल्ली 1994

13. मैनेजर पाण्डेय : साहित्य और इतिहास दृष्टि, पीपुल्य लिटरेस, दिल्ली 1981

14. नंददुलारे वाजपेयी : हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी लोकभारती, इलाहाबाद, 1983

15. विश्वनाथ त्रिपाठी : हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, एन.सी.इ.आर.टी. दिल्ली, 1986

16. रामस्वरुप चतुर्वेदी : हिन्दी साहित्य और संवेदना का इतिहास, लोकभारती, इलाहाबाद, 1986

17. डॉ0 नगेन्द्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास

18. गणपति चन्द्र गुप्त : हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, भाग I, II

19. गुलाबराय : हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास

20. बच्चन सिंह : हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली 1996

21. विजयेन्द्र स्नातक : हिन्दी साहित्य का इतिहास, साहित्य अकादमी, दिल्ली 1996

HIN 203– भारतीय काव्यशास्त्र

क्रेडिट 4 समय 3 घन्टे पूर्णांक 100

नोटः– पाँच प्रश्नो के उत्तर अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नो के मान बराबर है। 5X20

पाठ्यक्रम

इस पत्र के अन्तर्गत संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास–प्रमुख परिवर्तन और प्रस्थान बिंदु, प्रमुख आचार्य और काव्यशास्त्रीय संप्रदाय, सामाजिक और सहृदय की अवधारणा, काव्य के स्वरुप–सम्बन्धी मत, काव्य–सृजन–पक्ष और प्रतिभा, काव्यस्वाद का पक्ष और साधारणीकरण और संस्कृत काव्यशास्त्र की उपयोगिता एवं प्रासंगिकता का अध्ययन निम्नानुसार किया जायेगा।

1. रस–सिन्द्धात : रस के अवयव, रस–निष्पत्ति और उसके प्रमुख आचार्यों के मत, उत्पत्तिवाद, अनुमितिवाद, भुक्तिवाद, अभिव्यक्तिवाद, साधारणीकरण सिन्द्धात
2. अलंकार सिन्द्धात और उसके प्रमुख आचार्य– भामह, दंडी, रुद्रट और रूय्यक का मत शब्दालंकार, अर्थालंकार, काव्यभाषा और शास्त्रभाषा, अलंकार और भाषिक संरचना, अलंकारोक्ति और स्वभावोक्ति।
3. रीति–सिन्द्धात और उसके प्रमुख आचार्य, रीति की अवधारणा, रीति–भेद, रीति और शैली, रीति और गुण।
4. ध्वनि–सिन्द्धात और उसके प्रमुख आचार्य, काव्य में व्यंग्यार्थ की प्रतिष्ठा, स्फोट और ध्वनि, काव्य की कोटियाँ।
5. वक्रोक्ति सिद्धान्त और उसके प्रमुख आचार्य, वक्रोक्ति का अर्थ एवं अभिप्राय, वक्रोक्ति के भेद, ध्वनि एवं रीति–सिद्धान्त से भेद।
6. औचित्य सिद्धान्त, आचार्य क्षेमेन्द्र का मत।

अनुमोदित पुस्तकें

डॉ0 मनोहर काले : भारतीय नाट्य सौंदर्य, मेघ प्रकाशन, दिल्ली, 1982

डॉ0 बच्चन सिंह : आलोचक और आलोचना, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 1970

डॉ0 रामविलास शर्मा : भारतीय सौंदर्यबोध और तुलसीदास, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली, 2001

गणेश त्र्यंबक देशपांडे : भारतीय साहित्यशास्त्र, बंबई 1960

रामचन्द्र शुक्ल : रसः मीमांसा, वाराणसी 1966

डॉ0 विश्वम्भरनाथ उपाध्याय : भारतीय काव्यशास्त्र, वाणी न. दि. 2006

डॉ0 कुमार विमल : सौंदर्यशास्त्र के तत्व, राजकमल, न.दि. 1981

De. S.K. : History of Sanskrit Poetics, Calcutta 1976

HIN 204–हिन्दी कहानी

क्रेडिट 4 समय 3 घन्टे

नोटः– आलोचनात्मक प्रश्न (4X15) व्याख्या (4X10)

अध्ययन का विषय

1. हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास
2. हिन्दी कहानी की मुख्य प्रवृत्तियाँ
3. हिन्दी के प्रमुख कहानीकार और उनकी कहानियों का विशिष्ट आलोचनात्मक अध्ययन

निर्धारित कहानीकार

1. प्रेमचन्द : ईदगाह
2. प्रसाद : पुरस्कार
3. गुलेरी : उसने कहा था
4. यशपाल : परदा
5. गुलजार : रावी पार

6. अमरकान्त : जिन्दगी और जौंक
7. निर्मल वर्मा : परिन्दे
8. मार्कण्डेय : दूध और दवा
9. फणीश्वरनाथ रेणु : तीसरी कसम उर्फ मारे गये गुलफाम
10. भीष्म साहनी : चीफ की दावत
11. कमलेश्वर : बयान
12. उदय प्रकाश : ~~तिरिछ~~ तिरिछ

अनुमोदित ग्रंथ

1. नामवर सिंह : कहानी : नई कहानी, लोक भारती, इलाहाबाद 1982
2. राजेन्द्र यादव : एक दुनिया समानान्तर (संपादित) राधाकृष्ण, न. दि. 1993
3. राजेन्द्र यादव : नई कहानीः संवेदना और स्वरूप, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 1988
4. सं0 धनंजय : समकालीन कहानीः दिशा और दृष्टि अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1970
5. मधुरेश : सिलसिला, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली, 1979
6. मधुरेश : नयी कहानीः पुनर्विचार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 1999
7. मधुरेश : हिन्दी कहानीः अस्मिता की तलाश, आधार प्रकाशन, पंचकूला 1997
8. मार्कण्डेय : कहानी की बात, लोक भारती, इलाहाबाद, 1984
9. डॉ0 देवश ठाकुर : हिन्दी की पहली कहानी, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ, 1977
10. कमलेश्वर : नयी कहानी की भूमिका, शब्दकार, दिल्ली, 1991
11. डॉ0 इन्द्रनाथ मदान : हिन्दी कहानी : पहचान और परख लिपि प्रकाशन, दिल्ली, 1973
12. सं0 देवीशंकर अवस्थी: नई कहानीः संदर्भ और प्रकृति, राजकमल, दिल्ली, 1966

13. विजय मोहन सिंह : आज की हिन्दी कहानी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1983

14. विश्वनाथ त्रिपाठी : कुछ कहानियाँ, कुछ विचार, दिल्ली 1988

15. डॉ0 बलराज पाण्डे : नई कहानी आंदोलन की भूमिका, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद 1989

16. देवेन्द्र चौबे : समकालीन कहानी का समाजशास्त्र, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली 2001

HIN 301—हिन्दी नाटक और रंगमंच

क्रेडिट 4 समय 3 घन्टे पूर्णांक 100

नोट.— आलोचनात्मक प्रश्न (4X15) (60) व्याख्या (4X10) (40)

अध्ययन का विषय

(क) हिन्दी नाटक का विकास

(ख) हिन्दी रंगमंच की परम्परा और नए प्रयोग

निर्धारित कहानीकार

सुरेन्द्र वर्मा	:	आठवाँ सर्ग
जयशंकर प्रसाद	:	स्कन्दगुप्त
मोहन राकेश	:	आधे–अधूरे
भीष्म साहनी	:	हानूष

अनुमोदित ग्रंथ

सत्येन्द्र तनेजा : नाटकार भारतेन्दु की रंग परिकल्पना, दिल्ली, 1976

जगदीश शर्मा : मोहन राकेश की रंगसृष्टि, दिल्ली, 1975

गोविन्द चातक : आधुनिक नाटक का मसीहा, दिल्ली, 1975

नेमिचन्द जैन (सं0) : आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच, दिल्ली, 1978

जयदेव तनेजा : समकालीन हिन्दी नाटक और रंगमंच, दिल्ली, 1978

नेमिचन्द जैन : रंगदर्शन, दिल्ली, 1967

दशरथ ओझा : हिन्दी नाटकः उद्‌भव और विकास, दिल्ली, 1970

हजारी प्रसाद द्विवेदी : नाट्यशास्त्र और भारतीय परम्परा, नई दिल्ली, 1971

HIN 302—आधुनिक हिन्दी कविता—I

क्रेडिट 4 समय 3 घन्टे पूर्णांक 100

नोटः— आलोचनात्मक प्रश्न (4X15) व्याख्या (4X10)

इस पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं की व्याख्या और काव्य – सौन्दर्य के साथ–साथ काव्य प्रवृतियों का अध्ययन अपेक्षित है।

1 जयशंकर प्रसाद — श्रद्धा सर्ग (कामायनी)

2. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला — राम की शक्ति पूजा

3. स.ही.वा. अज्ञेय — असाध्य वीणा

4. मुक्तिबोध — ब्रह्मराक्षस

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी : समकालीन हिन्दी कविता

2. डॉ0 रामविलास शर्मा : निराला की साहित्य साधना, भाग II

3. प्रेमशंकर : प्रसाद का काव्य

4. नन्द दुलारे वाजपेयी : जयशंकर प्रसाद

5. रामस्वरुप चतुर्वेदी : अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या

6. नामवर सिंह : कविता के नये प्रतिमान

HIN 303—पाश्चात्य आलोचना

क्रेडिट 4

नोटः— पाँच प्रश्नो के उत्तर अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नो के मान बराबर है। 5X20

इस पाठ्यक्रम में अन्तर्गत प्रमुख पश्चिमी साहित्य–चिन्तको के कला साहित्य–दर्शन से सम्बन्धित विचारों का अध्ययन अपेक्षित है।

1. साहित्य की शास्त्रीय अवधारणाः अरस्तु, लेंजाइनस
2. साहित्य की रुपवादी अवधारणाः टी.एस.एलिएट, आई.ए.रिचड्र्स
3. साहित्य की मार्क्सवादी अवधारणाः मार्क्स (कला की कालजयी प्रकृति और यूनानी कला, विचारधारा और साहित्य)

   जार्ज ल्यूकाज एवं ब्रेख्त : यथार्थवाद की समस्याएँ

   रैमंड विलियम्स : साहित्य में प्रतिबद्धता (Alignment & Commitment)
4. एफ.आर. लीविस : साहित्य में रचनात्मक ईमानदारी और नैतिक बोध
5. साहित्य की स्त्रीवादी दृष्टि और अवधारणा सीमान द बुआः स्त्रीःउपेक्षित (प्रभा खेतान, अनुदित मूल) The Second Sex.

अनुमोदित–ग्रंथ

1. निर्मला जैन, कुसुम बांठिया : पाश्चात्य साहित्य चिन्तन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1980
2. नगेन्द्र सं0 : पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 1979
3. नगेन्द्र : नयी समीक्षाः नये संदर्भ, वही, दिल्ली, 1974
4. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव : शैलीविज्ञान और आलोचना की नई भूमिका, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1972
5. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव : संरचनात्मक शैली विज्ञान, दि. मैकमिलन, दिल्ली, 1984
6. सीमोन द बोउवा : स्त्रीःउपेक्षिता, अनु, प्रभा खेतान, हिन्द पॉकेट बुक्स, दिल्ली–1970
7. जर्मेन ग्रीयर : विद्रोही स्त्री, अनु. मधु बी. जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2001

8. मैनेजर पांडे : साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, चंडीगढ़,1989

: संकट के बावजूद, वाणी, न. दि. 1998

9. रामचन्द्र शुक्ल : चिंतामणि भाग–1 और 2. इंडियन प्रेस, इलाहाबाद, 1986

10. गोपीचन्द नांरग : संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र, साहित्य अकादमी, दिल्ली, 2001

11. सुरेश कुमार : शैली विज्ञान, दि. मैकमिलन कंपनी इंडिया लि. दिल्ली 1977

12. Sushila Nayar & Kamala Mankkar (Ed.) : Women Pioneers:in India Renissance, NBT, Delhi 2002

13. Mary Beth Rose : Gender and Heroism in Early Modern Literature, University of Chicaqo Press, 2002

14. मृणाल पाण्डे : परिधि पर स्त्री राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली 1998

15. लूकाज : उपन्यास का सिद्धान्त पुस्तक में आन्नद प्रकाश की भूमिका

HIN 401 हिन्दी आलोचक और आलोचना

क्रेडिट 4 समय 3 घन्टे पूर्णांक 100

नोटः– पाँच प्रश्नो के उत्तर अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नो के मान बराबर है। 5X20

इस पाठ्यक्रम में हिन्दी आलोचना की भारतीय परम्परा और उसके इतिहास पर विचार–विमर्श करते हुए निम्नलिखित साहित्य चिंतकों की आलोचनात्मक अवधारणाओं पद्धतियों और प्रतिमानों का गहन अध्ययन अपेक्षित हैः

निर्धारित आलोचक

1. रामचन्द्र शुक्ल
2. हजारी प्रसाद शर्मा
3. रामविलास शर्मा
4. नंददुलारे वाजपेयी
5. डॉ0 नगेन्द्र

अनुमोदित पुस्तकें

1. रामविलास शर्मा : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1993
2. नामवर सिंह : दूसरी परम्परा की खोज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1982
3. नामवर सिंह : इतिहास और आलोचना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1968
4. मैनेजर पाण्डेय : साहित्य और इतिहास दृष्टि, पीपुल्य लिटरेसी, दिल्ली, 1981
5. मलयज : रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1987
6. विश्वनाथ त्रिपाठी : हिन्दी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1982
7. बच्चन सिंह : हिन्दी आलोचना के बीज शब्द राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली, 1994
8. शिवप्रसाद सिंह : शांतिनिकेतन से शिवालिक, नेशनल पब्लिशिंग, दिल्ली, 1988
9. गजानन माधव मुक्तिबोधः समीक्षा की समस्याएँ, रचनावली भाग–5, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1980
10. मुक्तिबोध : कामयानीः एक पुनर्विचार, रचनावली भाग–6, राजकमल, दिल्ली, 1980
11. मुक्तिबोध : नयी कविता का आत्मसंघर्ष, रचनावली भाग–6, वही
12. रेने वेलेक, अनु इंद्रनाथ मदानः आलोचना की धाराणाएँ, हरियाणा हिन्दी ग्रंथ अकादमी, चण्डीगढ़, 1978
13. मैनेजर पाण्डेयः : शब्द और कर्म, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1997
14. नंददुलारे वाजपेयी : हिन्दी साहित्य' बीसवीं शताब्दी, लोकभारती, इलाहाबाद, 1993
15. नंददुलारे वाजपेयी : नया साहित्यः नये प्रश्न, वही, 1995
16. पुरूषोत्तम अग्रवाल : तीसरा रूख, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1996
17. वीरभारत तलवार : रस्साकशी, सारांश प्रकाशन, दिल्ली, 2002

18. मुरली मनोहर प्रसाद सिंहः आधुनिक हिन्दी साहित्यः विवाद और विवेचना, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली, 2000

19. देवेंद्र चौबे : समकालीन कहानी का समाजशास्त्र, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली, 2001

20. कमला प्रसाद : आलोचक और आलोचना, आधार प्रकाशन, पंचकूला, 2002

21. डॉ0 रामबक्ष : समकालीन हिन्दी आलोचक और आलोचना, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़, 1991

HIN 402 - भाषा विज्ञान

क्रेडिट 4 समय 3 घन्टे पूर्णांक 100

नोटः– पाँच प्रश्नो के उत्तर अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नो के मान बराबर है। 5X20

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभक्त है। परीक्षार्थी को सभी भागों से एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।

भाग–I भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ। मूलभाषा, बोली एवं मानक भाषा। भाषा की उत्पत्ति के प्रमुख सिंद्धात। भाषा विज्ञाान के अध्ययन की समस्ययाएँ एवं अन्य शास्त्रों से उसका संबंध। भाषा विज्ञान के अध्ययन की विधियाँः वर्णात्मक/संरचनात्मक भाषाविज्ञाान, एक कालिक, कालक्रमिक (ऐतिहासिक) , तुलनात्मक (व्यतिरेकी)

भारत में भाषा अध्ययनः शिक्षा, निरुक्त, यास्क, पाणिनी, भर्तृहरि की प्राचीन परम्परा। हिन्दी में अध्ययन की आधुनिक भारतीय परम्पराः कामता प्रसाद गुरु, किशोरी दास वाजपेयी, चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी', रामविलास शर्मा।

भाग–II ध्वनि–विज्ञानः ध्वनि अध्ययन के आधार–उच्चारण, प्रसारण और श्रवण ध्वनियों का वर्गीकरण– अक्षर, बलाघात और संहिता। ध्वनि परिवर्तन के कारण। स्वनिम विज्ञान–स्वन, संस्वन और स्वनिम।

रूप विज्ञानः रुप रचना, धातु और प्रत्यय, रूप परिवर्तन के कारण

भाग–III वाक्य विज्ञानः वाक्य की अवधारणा और वाक्य के अंग। वाक्य रचना–पदक्रम अन्विति, आगम एवं लोप। वाक्य–रचना में परिर्वतन और परिवर्तन के कारण। वाक्य के

अवयव। अर्थ विज्ञानः शब्द और अर्थ का संबंध। अर्थ परिवर्तन के कारण। अर्थ निर्णय के साधन।

भाग–IV आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण। अपभ्रंश, अवहट्ट एवं पुरानी हिन्दी, मध्यकाल में ब्रज एवं अवधी का काव्यभाषा के रूप में विकास, राष्ट्रभाषा की समस्याएँ और हिन्दी, दकिनी हिन्दी और उर्दू, देवनागरी लिपि का मानकीकरण एवं विकास।

अनुमोदित पुस्तकें

1. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी : पुरानी हिन्दी, काशी ना. प्र. सभा, वाराणसी, 1948
2. किशोरीदास वाजपेयी : हिन्दी शब्दानुशासन, काशी ना. प्र. सभा. वाराणसी, सं. 2035
3. नामवर सिंह : हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान, लोक भारती, इलाहाबाद, 1982
4. श्री राम शर्मा : दक्खिनी का गद्य और पद्य, हिन्दी प्रचार सभा, हैदराबाद, 1954
5. सुनीति कुमार चटर्जी : भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी, राजकमल, हिल्ली, 1957
6. क्षिति मिश्रा : खड़ी बोली आंदोलन, काशी ना. प्रा. सभा, वाराणसी, सं 2013
7. अयोध्या प्रसाद खत्री : स्मारक ग्रंथ (बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना, 1960)
8. रामविलास शर्मा : भाषा और समाज, राजकमल, न. दि. 1977

HIN 403 आधुनिक हिन्दी कविता II

क्रेडिट 4 समय 3 घन्टे पूर्णांक 100

नोटः– आलोचनात्मक प्रश्न (4X15) व्याख्या (4X10)

1. नागार्जुन – हरिजन गाथा, कालिदास सच सच बतलाना
2. धूमिल – पटकथा– मुनासिब कार्यवाही
3. केदारनाथ सिंह – दो मिनट का मौन, सह अग्नि किरीट मस्तक

4. रघुवीर सहाय – आत्म हत्या के विरूद्ध, रामदास

संन्दर्भ

1. अजय तिवारी – नागार्जुन की कविता
2. केदारनाथ सिंह – मेरे समय के शब्द
3. अरूण कमल – कविता और समाज
4. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी– समकालीन हिन्दी कविता
5. जगदीश गुप्त – नयी कविता : स्वरूप और समस्याएँ
6. सुरेश शर्मा – रघुवीर सहाय का रचना कर्म
7. रामस्वरूप चतुर्वेदी – कविता यात्रा

HIN A01– पत्रकारिता और जनसंचार सिद्धान्त एवं प्रयोग

समय 3 घन्टे पूर्णांक 100

क्रेडिट 4

नोटः– पाँच प्रश्नो के उत्तर अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नो के मान बराबर है। (5X20)

पत्रकारिता एवं जनसंचार

हिन्दी पत्रकारिताः

पत्रकारिता–परिभाषा, प्रकृति, उद्देश्य एवं महत्व, पत्रकारिता का इतिहास

पत्रकारिता की विधाएँ–प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया।

मुक्त प्रेस की अवधारणा, प्रेस कानून और आचार–संहिता। लोकतंत्र का चतुर्थ स्तंभः पत्रकारिता

जनसंचारः

जनसंचार– परिभाषा, प्रकृति, उद्देश्य एवं महत्व।

संचार– परिभाषा, प्रकृति, महत्व एवं प्रकार, जनसंचार के सिन्द्धात।

जनसंचार के माध्यम– प्रिन्ट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, परंपरागत माध्यम जनसंचार एवं विकास।

रिर्पोटिंग और सम्पादनः

समाचार पत्र संगठन की संरचना (संपादकीय, प्रबंधन व प्रसार की रुपरेखा)

रिर्पोटिंग – परिभाषा, प्रकृति, उद्देश्य एवं महत्व।

संपादन– परिभाषा, प्रकृति, उद्देश्य एवं महत्व, रिर्पोटिंग के विविध प्रकार।

रिर्पोटर के गुण, कार्य एवं दायित्व, सम्पादक एवं उपसंपादक के कार्य एवं दायित्व।

समाचार संपादन में बरती जाने वाली सावधानियाँ।

प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में समाचार लेखन।

फीचर (रुपक) परिभाषा, तत्त्व, प्रकार, उद्देश्य, महत्त्व एवं लेखन।

साक्षात्कार– प्रयोजन, महत्व, तरीके एवं सावधानियाँ।

अनुवाद–पत्रकारिताः परिभाषा, स्वरुप, महत्व और समस्याएँ

जनसम्पर्क (एक परिचय)

जनसम्पर्क– परिभाषा, प्रकृति, उद्देश्य एवं महत्व।

जनसम्पर्क– सरकारी एवं गैर–सरकारी क्षेत्रों में, जनमत, प्रचार, मिथ्या–प्रचार, विज्ञापन

प्रेस–विज्ञप्ति, प्रेस–वार्ता, जनसंपर्क प्रक्रिया के विभिन्न चरण।

जनसंपर्क कानून एवं आचार–संहिता।

विज्ञापनः

विज्ञापन– परिभाषा, प्रकृति, उद्देश्य एवं महत्व, विज्ञापन के विभिन्न प्रकार।

विज्ञापन– कार्यप्रणाली, कार्य–प्रबंधन, संयोजन एवं आलेखन, विज्ञापन एजेंसी और इसके महत्व।

अनुशंसित पुस्तकें : हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहासः अर्जुन तिवारी, पत्रकारिता एवं संपादन कलाः एन.सी.पंत, हिन्दी पत्रकारिता' डॉ0 धीरेन्द्र नाथ सिंह, समकालीन पत्रकारिताः मूल्यांकन और मुद्देः राजकिशोर, जनसंपर्क एवं विज्ञापनः संतोष गोयल, पत्रकारिता की चुनौतियाँः गणेश मंत्री, रुपक लेखन : ब्रजभूषण सिंह

HIN A02 –अपभ्रंशः भाषा एवं साहित्य

क्रेडिट 4 समय 3 घन्टे पूर्णांक 100

नोट–आलोचनात्मक प्रश्न (4×15) व्याख्या (4×10)

1. सरहपा : प्रारम्भ से 12 दोहे
2. स्वयंभू : सम्पूर्ण
3. अब्दुर्रहमान : प्रारम्भ से 16 छंद

4. हेमचन्द सूरि : प्रारम्भ से 20 दोहे
5. विनयचन्द्र सूरि : सम्पूर्ण
6. विद्यापति : कीर्तिलता (प्रथम तथा द्वितीय पल्लव)
   कीर्तिलता और अवहट्ट भाषा–शिवप्रसाद सिंह
7. अपभ्रंश व्याकरण : अपभ्रंश रचना सौरभ, लेखक–डॉ0 कमलचन्द, सौगाणी, अपभ्रंश अकादमी, जयपुर

पाठ्य पुस्तक– अपभ्रंश और अवहट्टः एक अन्तर्यात्राः डॉ0 शम्भूनाथ पाण्डेय, प्रकाशक–चौखम्भा पब्लिशर्स, वाराणसी (प्रथम पाँच कवि)

परीक्षा योजना

1. चार व्याख्याएँ (आन्तरिक विकल्प देय) 9x4 = 36
2. दो प्रश्न रचना और रचनाकार पर केन्द्रित होगा 16x2 =32
3. एक प्रश्न अपभ्रंश व्याकरण से संबंधित होगा 16
4. एक प्रश्न अपभ्रंश साहित्य के इतिहास, विकास और महत्त्व से संबंधित होगा 16

संदर्भ ग्रंथ–

1. हिन्दी काव्यधारा – राहुल सांकृत्यायन
2. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग–डॉ0 नामवर सिंह लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. अपभ्रंश भाषा का अध्ययन – डॉ0 वीरेन्द्र श्रीवास्तव
4. अपभ्रंश साहित्य – हरिवंश कोछड़
5. प्राकृत और अपभ्रंश साहित्य तथा उनका हिन्दी साहित्य पर प्रभाव–डॉ0 रामसिंह तोमर हिन्दी परिषद् प्रकाशन, इलाहाबाद
6. अपभ्रंश भाषा और साहित्य – राजमणि शर्मा–भारतीय ज्ञानपीठ

HIN A03 – कबीरदास

क्रेडिट 4 समय 3 घन्टे पूर्णांक 100

नोटः– आलोचनात्मक प्रश्न (4X15) व्याख्या (4X10)

1. अध्ययन के लिए

1. कबीर के अध्ययन की समस्याएँ– पारंपरिक काव्यशास्त्र का विचारलोक और कबीर, काव्य श्रेष्ठता और कबीर की कविताई, कबीर की भक्ति का विचारलोक।
2. कबीर का काव्य व्यक्तित्व– वर्णाश्रम बनाम रहनी, प्रश्नाकुशलता बनाम रहस्यवाद, आध्यात्मिक खोज और सामाजिक आलोचना, कबीर की काव्यभाषा की विशेषताएँ।
3. कबीर की संवेदना की बनावट– कबीर के विचार स्त्रोत, वैष्णव भक्ति, नाथ पंथ, इस्लाम, चार्वाक दर्शन, लोक और शास्त्र गुरुतत्व और स्वसंवेद्य ज्ञान, प्रेम और भावभगति, कबीर का सामाजिक परिवेश।
4. कबीर पंथ का विकास– पंथ निर्माण का ऐतिहासिक तर्क पंथ और सामाजिक अस्मिता।

2. निर्धारित पाठ्यांश – श्यामसुन्दरदास द्वारा संपादित कबीर ग्रंथावली से

1. साखी भाग – प्रथम सौ साखियाँ
2. पद क्रमांक 1 से 50 तक

3. अनुमोदित ग्रंथ और निंबध

हजारी प्रसाद द्विवेदी	–	कबीर, नई दिल्ली, 1990
परशुराम चतुर्वेदी	–	उत्तरी भारत की संत परंपरा, इलाहाबाद, 1972
परशुराम चतुर्वेदी	–	कबीर साहित्य की परख, इलाहाबाद, 1972
नामवर सिंह	–	दूसरी परंपरा की खोज, नई दिल्ली, 1982
रधुवंश	–	कबीरः एक नयी दृष्टि, इलाहाबाद 1991
पुरूषोत्तम अग्रवाल	–	अर्थिक कहानी प्रेम की राजकमल, 2010 (नयी दिल्ली)

HIN A04 – लोक साहित्य

क्रेडिट 4 समय 3 घन्टे पूर्णांक 100

नोटः– पाँच प्रश्नो के उत्तर अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नो के मान बराबर है।5X20

1. लोक और लोकवार्त्ता, लोक संस्कृति की अवधारणा, लोकवार्त्ता और लोक संस्कृति लोक संस्कृति और साहित्य, साहित्य और लोक का अंतःसंबंध, लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।
2. भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास के, लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण, लोकगीत, लोकनाट्य, लोक गाथा, लोकनृत्य एवं नाट्य लोकसंगीत।
   लोक गीतः संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत।
   लोकनाट्यः रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वांग, यक्षगान, विदेशिया, भाँड़, तमाशा, नौटंकी, कथकली।
3. हिन्दी लाक नाट्य की परंपरा एवं प्रविधि। हिन्दी नाटक एवं रंगमंच पर लोक नाट्यो का प्रभाव। लोक साहित्य की मौखिक परंपरा।
4. लोक कथाः व्रतकथा, परीकथा, नाग–कथा, कथारुढ़ियाँ और अंधविश्वास।
5. लोकभाषा· लोक संभाषित मुहावरे कहावतें लोकोक्तियाँ. पहेलियाँ।
6. लोक साहित्य में विद्रोह एवं प्रतिरोध के स्वर, राष्ट्रवाद और लोक संस्कृति, लोक साहित्य में इतिहास, संचार क्रांति और लोक कला, परम्परा और विकास, लोक साहित्य एवं लोकप्रिय साहित्य।

अनुमोदित ग्रंथ

1. बद्रीनारायण : लोकससंकृति में राष्ट्रवाद, राधाकृष्ण, न. दि. 1996
   संस्कृति का गद्य पब्लिशिंग हाउस, न.दि.
   साहित्य और सामाजिक परिवर्तन, वाणी, न. दि. 1997
   लोक संस्कृति और इतिहासकथा रूप इतिहास पुस्तिकाक्रम, इलाहाबाद
2. श्यामा चरण दूबे : परम्परा, इतिहास बोध और संस्कृति, राधाकृष्ण, न. दि. 1992
   परम्परा और परिर्वतन, भारतीय ज्ञानपीठ, न. दि. 2001
   संक्रमण की पीड़ा, वाणी, न.दि. 1994
   समय और संस्कृति, वाणी न.दि. 1996

3. डॉ0 सत्येन्द्र : लोकसाहित्य विज्ञान, शिवलाल अग्रवाल एंड कं0, आगरा, 1962
4. अर्नाल्ड हाउजर : कला का इतिहास दर्शन, ग्रंथ शिल्पी, न. दि. 2001
5. टी. डब्ल्यू एर्डोनो : संस्कृतिउद्योग, ग्रंथ शिल्पी, न. दि. 2006 (अध्याय–2)
6. कुंदनलाल उप्रेती : लोक साहित्य के प्रतिमान, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़।
7. डॉ0 श्रीराम शर्मा : लोकसाहित्य सिद्धान्त प्रयोग, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा।
8. डॉ0 रवीन्द्र भ्रमर : लोकसाहित्य की भूमिका, साहित्य सदन कानपुर कैंट।
9. डॉ0 दुर्गा भागवत : भारतीय लोक साहित्य की रूपरेखा, विभु प्रकाशन,साहिबाबाद, दिल्ली।
10. डॉ0 श्याम परमार : लोकसाहित्य विमर्श कृष्णा ब्रदर्स, अजमेर।
11. दीनेश्वर प्रसाद : लोकसाहित्य और संस्कृति, लोकभारती, इलाहाबाद।
12. सम्मेलन पत्रिका, लोकसंस्कृति विशेषांक, प्रयोग, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद।
13. सापेक्ष, लोक साहित्य विशेषांक, संपा0 महावीर अग्रवाल, दुर्ग, म.प्र.।
14. मडई के अंक, संपा. डॉ0 कालीचरण यादव, बिलासपुर, छत्तीसगढ़।

HIN A05 – विशेष साहित्यकार का अध्ययन निराला

क्रेडिट 4 समय 3 घन्टे **पूर्णांक** 100

नोटः– आलोचनात्मक प्रश्न (4X15) व्याख्या (4X10)

1. जीवन वृत्त तथा परिवेशः बंगीय परिवेश तथा विशेष परिस्थितियाँ, सांस्कृतिक नवजागरण तथा बंगाल की विशेष भूमिका, रामकृष्ण तथा विवेकानन्द का प्रभाव, रवीन्द्रनाथ तथा स्वच्छन्दतावाद अभ्युदय, निराला की आरम्भिक मनोरचना पर रवीन्द्रनाथ की नई सौन्दर्य दृष्टि का प्रभाव, स्वंतत्र विकासःबंगीय प्रभाव तथा बैसवाडी का द्वन्द्व रवीन्द्रनाथ के सौन्दर्यमूलक स्वच्छन्दतावाद से निराला के

विद्रोहमूलक स्वच्छन्दतावाद का अन्तर, मतवाला का सम्पादन तथा हिन्दी की प्रकृति की और क्रमशः झुकाव, सुधा और माधुरी का सम्पादन तथा हिन्दी– आन्दोलन से सम्पर्क पंत निराला विवाद, निराला के व्यक्तित्व के अन्तर्विरोध।

2. निराला की काव्य दृष्टि: मुक्त छंद और निराला, निराला की काव्य भाषा के विविध रूप, छायावादी भाषा के विरूद्ध, प्रतिक्रिया, कुकुरमुत्ता की भाषा तथा शिल्प का ऐतिहासिक महत्व, उत्तरकालीन रचनाओं मे लोक भाषा तथा लोक गीतों की प्रतिध्वनियाँ, व्यंग्य कृतियाँ तथा निराला को यथार्थवादी दृष्टि।
3. कृतियाँ: निराला की काव्य कृतियों का ऐतिहासिक पर्यालोचन तथा कृति–संदर्भ के रूप में उनके समीक्षात्मक निबन्धों का अध्ययन। कुछ महत्वपूर्ण काव्य कृतियों का अध्ययन तथा व्यावहारिक समीक्षा। 'राग–विराग' संकलन से : 1,12,21,33,4,4,65,80,92,130 'परिमल' काव्य–संकलन की भूमिका।

अनुमोदित ग्रथ

1. रामविलास शर्मा : राग–विराग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. रामविलास शर्मा : निराला, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. रामविलास शर्मा : निराला की साहित्य साधना (भाग1,2,और 3), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. नन्ददुलारे वाजपेयी : कवि निराला, वाराणसी
5. बच्चन सिंह : क्रांतिकारी कवि निराला, वाराणसी
6. गंगाप्रसाद पाण्डेय : महाराणा निराला, इलाहाबाद
7. दूधनाथ सिंह : निरालाः एक आत्महंता आस्था, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. परमानन्द श्रीवास्तव : निराला की कविताएं, इलाहाबाद
9. इन्द्रनाथ मदान : निरालाः मूल्यांकन, इलाहाबाद
10. जानकी वल्लभ शास्त्रीः निराला के पत्र, दिल्ली
11. निराला पंत और पल्लवः लखनऊ

HIN A06 - साहित्य और विचारधारा

क्रेडिट 4 समय 3 घन्टे पूर्णांक 100

नोटः– पाँच प्रश्नो के उत्तर अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नो के मान बराबर है।5X20

इस पाठयक्रम में साहित्य और विचारधारा के सम्बन्धों का सैद्धांतिक विवेचन करने के साथ हिन्दी साहित्य का प्रमुख कृतियों और कृतिकारों की सृजन–प्रक्रिया में भिन्न–भिन्न विचारधाराओं की भूमिका का भी विश्लेषण किया जाएगा। पाठ्यक्रम की रूपरेखा सामान्यतः निम्नलिखित होगीः– (व्याख्या नहीं होगी)

1. सिद्धांत पक्षः विचारधारा क्या है? – विचारधारा का सामाजिक आधार–विचारधारा और राजनीति, विचारधारा के रूपों में साहित्य का स्थान, साहित्य की अवधारणा पर विचारधारा का प्रभाव साहित्य की सृजन–प्रक्रिया में लेखक और पाठक की विचारधारा का द्वन्द्व, साहित्यिक कृतियों व्याख्या पर विचारधारा, समस्या विचारधारा और साहितय के संस्थान।
2. व्यवहार पक्षः विवेच्य कृतियाँ–

(क) पद्मावत, रामचरितमानस, कामायनी, तुलसीदास, अंधेरे में।

(ख) गोदान, त्यागपत्र, बाणभट्ट की आत्मकथा।

अनुमोदित ग्रंथ

1. गोरख पांडे (अनु0) : कला और साहित्य चिन्तन, नई दिल्ली, 1991
2. रामविलास शर्मा : आस्था और सौन्दर्य (नवीन संस्करण) नई दिल्ली, 1986
3. रामविलास शर्मा : मार्क्स और पिछड़े हुए समाज, नई दिल्ली, 1986
4. मैनेजर पाण्डेय : शब्द और कर्म, वाणी हुए समाज, नई दिल्ली, 1997
5. मैनेजर पाण्डेय : आलोचना की सामाजिकता, 2005
6. Paarekh, Bhikhu : Marx's Theory of Ideology, Delhi-1981
7. Althusser, Louis : Lenin and Philosophy and other Essays, London, 1971
8. Fischer, Earnest : Art Against Ideology, London,1909
9. Khrapchenko, M : The Writer creative Individually and Development of Literature, Moscow,1977
10. Macherey, Pierre : Atheory of Literary production, London 1978
11. Williams, Raymond : Marxisn and Literature, London,1977

12. Williams, Raymond : On Ideology, Centre for contemporary cultural Studies, London, 1978
13. Eagleton, Terry : Criticism and Ideology, London, 1976
14. Eagleton, Terry : The Ideology of the Aesthetic, London, 1990
15. Eagleton, Terry : Ideology: An Introduction, London, 1991
16. Lichtheim George : The Concept of Ideology and other essays, New York, 1967

पत्रिकाएँ

1. आलोचना दिनांक 18 अप्रैल–जून 1970, दिल्ली

HIN A07 - अनुवादः सिद्धान्त और प्रविधि

समय 3 घन्टे पूर्णांक 100

क्रेडिट 4 नोट - आलोचनात्मक प्रश्न (5 X 20)

1. अनुवाद का अर्थ, स्वरूप एव प्रकृति। अनुवाद कार्य की आवश्यकता एव महत्व। बहुभाषी समाज में, परिवर्तनशील वैश्विक परिदृश्य (संम्पर्क साधनों के साथ) में, बौद्धिक–सांस्कृतिक आदान–प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका।
2. अनुवाद के प्रकारः सामान्य परिचयः लिप्यान्तरण, शाब्दिक अनुवाद, भावनुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद। अनुवाद–प्रक्रिया के विभिन्न प्रारूप। भाषिक अर्थ और संप्रेषण। अनुवाद प्रक्रिया के तीन चरण–विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन। अनुवाद की भूमिका के तीन पक्ष–पाठक की भूमिका (अर्थग्रहण की), द्विभाषिक की भूमिका (अर्थातंरण की प्रक्रिया) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थसम्प्रेषण की प्रक्रिया)।
3. सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएँ। सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद मे अन्तर। गद्यानुवाद एवं काव्यानेवाद में संरचनात्मक भेद। किन्दी दो अनूदित कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन।

   (1) 'गीताजंलि' का हिन्दी अनुवाद–हंसकुमार तिवारी।

   (2) अंग्रेजी के हावर्ड फास्ट की क्लासिक कृति 'स्पार्टाकस' का अमृत राय द्वारा हिन्दी में अनूदित उपन्यास 'आदिविद्रोही' तथा गोर्की के उपन्यास 'मदर' का मदनलाल मधु द्वारा अनूदित 'माँ'।

(3) जमैन दार्शनिक हैकल की ' Riddle of The Universe ' का आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा हिन्दी में किया गाया भावानुवाद 'विश्वप्रंपच की भूमिका' (चिंतामणि–3 सं0 नामवर सिंह)।

4. कार्यलयीन अनुवाद : राजभाषा नीति की अनुपालना में धारा 3 (3) के अन्तर्गत निर्धारित दस्तावेज का अनुवादः शासकीय पत्र/अर्धशासकीय पत्र/परिपत्र (सर्कुलर)/ज्ञापन (प्रजेंटेशन)/ कार्यालय आदेश/ अधिसूचना/ संकल्प–प्रस्ताव (रेज्योलूशन)/निविदा–संविदा/ विज्ञापन आदि के संबंधित तकनीकीपरक पारिभाषिक शब्दावली।

पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धान्त, कार्यालय, प्रशासन विधि, मानविकी, बैंक एवं रेल्वे मे प्रयुक्त होने वाली प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली तथा प्रमुख वाक्यांश के अंग्रेजी तथा हिन्दी रूप।

अनुमोदित ग्रंथ

1. अनुवाद सिद्धान्त एवं समस्याएँ : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली
2. अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण : हरिमोहन, लक्षशिला प्रकाशन, न. दि.
3. अनुवाद सिद्धान्त : डॉ0 भोलानाथ तिवारी, साहित्य सहकार, दिल्ली।
4. अनुवाद शिल्पः समकालीन संदर्भः डॉ0 कुसुम अग्रवाल, साहित्य सहकार, दिल्ली।
5. प्रयोजकमूलक हिन्दी सिद्धान्त और व्यवहारः रघुनन्दन प्रसाद शर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. अनुवाद सिद्धान्त एवं रूपरेखा : डॉ0 सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग : जी. गोपीनाथ, लोकभारती, इलाहाबाद।
8. अनुवाद विज्ञान सिद्धान्त तथा अनुप्रयोगः डॉ0 नगेन्द्र, दिल्ली वि.वि., न.दि.।
9. अनुवाद की सामाजिक भूमिका : सीताराम पालीवाल, सचिन प्रकाशन, दिल्ली

10. प्रशासनिक पत्राचार : (संपा.) डॉ0 सुरेश कुमार, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
11. कार्यालय हिन्दी : डॉ0 प्रमथनाथ मिश्र, अयन प्रकाशन, मेहरौली, न.दि.
12. कार्यालयी अनुवाद निदेशिका : गोपीनाथ श्रीवास्तव, सामायिक प्रकाशन, दिल्ली।
13. बैंको में अनुवाद प्रविधि : डॉ0 कुचितपादम भारतीय अनुवाद परिषद न.दि.
14. प्रशासनिक हिन्दी : डॉ0 पूरनचन्द टंडन पुनीत इंटर प्राइजेज गोल मार्केट, न.दि.
15. विधि पारिभाषिक शब्दावली : भारत सरकार प्रकाशन

HIN A08 -सूरदास

क्रेडिट 4 समय 3 घंटे पूर्णांक 100

नोटः– आलोचनात्मक प्रश्न (4X15) व्याख्या (4x10)

अध्ययन के विषयः

कृष्णभक्ति काव्यः परम्परा और प्रवृत्तियाँ, सूरदास का जीवन–वृत्त, सूरसागरः प्रतिपाद्य और मौलिकता, साहित्यलहरीः प्रतिपाद्य एवं प्रामाणिकता, सूरसारावलीः प्रतिपाद्य और प्रामाणिकता, सूर की भक्ति–भावना, दार्शनिक चेतना, सौंदर्य दृवि, वात्सल्य एवं श्रृंगार, अध्यात्मः ज्ञान और प्रेम, सूरकाव्य में ब्रज संस्कृति और लोकतत्त्व।

निर्धारित पाठ एवं पाठ्यग्रंथः सूरसागर–सारः धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा0 लिमिटेड, जीरो रोड, इलाहाबाद द्वारा संपादित एवं प्रकाशित पाठांश विनय भक्ति, गोकुललीला, वृन्दावनलीला, राधा कृष्ण तथा उद्धव–संदेश।

संदर्भ–सामग्री

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी : सूरसाहित्य,हिन्दी ग्रंथ रत्नाकर, मुंबई 1956

2. नंददुलारे वाजपेयी : महाकवि समरदास, आत्माराम एंड सन्स, दिल्ली 1952
3. ब्रजेश्वर वर्मा : सूरदास, हिन्दी परिषद, प्रयोग, वि.वि.1950
4. हरबंसलाल शर्मा : सूरदास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1972
5. रामचन्द्र शुक्ल : सूरदास, सरस्वती मंदिर, बनारस 1949
6. मुंशीराम शर्मा 'सोम' : सूर–सौरभ, आचार्य शुक्ल साधना मंदिर, दिल्ली 1953
7. मैनेजर पांडे : कृष्णकाव्य की परंपरा और सूरदास का काव्य, मैक्मिलन दिल्ली 1982
8. दीनदयाल गुप्त : अष्टछाप और वल्लभ संप्रदाय, लखनऊ वि.वि. प्रकाशन लखनऊ
9. प्रेमनारायण टंडन (संपा.): ब्रजभाषा सूर–कोश, लखनऊ वि.वि. लखनऊ
10. प्रभुदयाल मीतल (टीकाकर): साहित्यलहरी, साहित्य संस्थान, मथुरा।

HIN A09 - स्त्री लेखन

क्रेडिट 4 समय 3 घन्टे पूर्णांक 100

नोटः– आलोचनात्मक प्रश्न (4X15) व्याख्या (4X10)

इस पाठ्यक्रम में हिन्दी में लिखित स्त्री साहित्य के अध्ययन के साथ ही स्त्री आंदोलन के इतिहास और उन अवधारणों पर विचार किया जाएगा जिससे स्त्री साहित्य की तस्वीर बनती है।

अभिकल्पित पाठ्यक्रम

1. स्त्री–विमर्श और नारीवाद
2. भारतीय समाज में स्त्री की बदलती तस्वीर
3. स्त्री मुक्ति आंदोलन–ऐतिहासिक रूपरेखा

4. भारतीय सामाजिक संरचना और स्त्री प्रश्न
   (पितृसत्तामूलक समाज, नैतिकता बौर मर्यादा का प्रश्न, सांस्कृतिक अस्मिता का संघर्ष स्त्री समानता और स्त्री मुक्ति)
5. दलित–स्त्री–प्रश्न
6. समकालीन संदर्भ और स्त्री लेखन
7. हिन्दी की प्रमुख स्त्री रचनाकारों एवं रचनाओं का अध्ययनः–

कविता

1. काव्यायनी : एक भूतपूर्व नगरवधू की दुर्गपति से प्रार्थना, त्रियाचरित्रं पुरुषस्य भाग्यम् (हंस अगस्त 95 अंक से)
2. अनामिका : बाहर का आदमी, चुटपुटिया बटन (दूध–धान संकलन से)
3. अनिता वर्मा : दर्द कई जगह (समकालीन सृजन 23 वर्ष 2006 से)
4. नीलेश रघुवंशी : जंगल और जड़ खुदजाएँ (उपरोक्त से)
5. सविता सिंह : कृतश हूँ मेरी कविता, नाच
6. कृष्णा सोबती : इतिहास जो नहीं है (जिंदगीनामा का आरम्भिक बयान)
7. गगन गिल : अँधेरे में बुद्ध, चिट्ठी (ताना–बाना से)

कहानी

1. मैत्रेयी पुष्पा : ललमनियां काव्यायनी
2. गीतांजलिश्री : भीतराग
3. सारा राय : बारिश
4. जया जादवानीः मुक्ति
5. इंदिरा राय : पल भर का सच

जीवनी

मन्नू भण्डारी : एक कहानी यह भी

वैचारिक

उपनिवेश में स्त्री : मुक्तिकामना की दस वार्ताएं – प्रभा खेतान

अनुमोदित ग्रंथ

1. प्रभा खेतान : बाजार के बीच बाजार के खिलाफः भूमंडलीकरण और स्त्री के प्रश्न, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2004

भूमंडलीकरणः ब्रांड संस्कृति और राष्ट्र, सामायिक प्रकाशन, नई दिल्ली 2007

उपनिवेश में स्त्रीः मुक्तिकामना की दस वार्ताएं, राजकमल प्रकाशन दिल्ली

2. सीमोन द बोउवारः स्त्री उपेक्षिता (अनु0 प्रभा खेतान), हिन्द पाकेट बुक्स, दिल्ली. 2002

3. महादेवी वर्मा : श्रृंखला की कड़ियां, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद--1942

4. डॉ0 राधा कुमारः (अनु. रमाशंकर) स्त्री संघर्ष का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 2002

5. जे एस मिल : (अनु युगांक धीर) स्त्री पराधीनता संवाद प्रकाशन मेरठ 2002

6. अनामिका : स्त्रीत्व का मानचित्र, अनामिका पब्लिशर्स, दिल्ली 2002

7. रमणिका गुप्ताः स्त्री विमर्श, शिल्पायन, दिल्ली 2004

8. राजकिशोर (सं.): स्त्री के लिए जगह, वाणी प्रकाशन, 2002

स्त्री परम्परा और आधुनिकता वाणी प्रकाशन, 2002

9. राजेन्द्र यादव : आदमी की निगाह में औरत, राजकमल प्रकाशन दिल्ली 2001

औरत उत्तरकथा, राजकमल प्रकाशन दिल्ली 2002

10. अरविन्द जैन : औरत होने की सजा, राजकमल प्रकाशन दिल्ली 1994

स्त्रीः अस्मिता और अस्तित्व, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

11. क्षमा शर्मा : स्त्री का समय, मेधा बुक्स, दिल्ली, 1998

12. जगदीश्वर चतुर्वेदीः स्त्रीवादी साहित्य विमर्श, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रब्यूटर्स, नई दिल्ली, 2006

13. जगदीश्वर चतुर्वेदी, सुधा सिंह (सं. एवं संपा): स्त्री काव्यधारा, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रब्यूटर्स, नई दिल्ली, 2006

14. रेखा कस्तवार : स्त्री चिंतन की चुनौतियां, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2006

15. विमल थोरात : दलित साहित्य का स्त्रीवादी स्वर, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रब्यूटर्स, नई दिल्ली, 2008

16. गोपी जोशी : भारत में स्त्री असमानता: एक विमर्श हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, नई दिल्ली–2006

17. राजेन्द्र सादव, अर्चना वर्मा (सं.): अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2001

18. कात्यायनी : दुर्ग द्वार पर दस्तक, परिकल्पना प्रकाशन, लखनऊ, 1997

19. पंडिता रमाबाई: हिन्दू स्त्री का जीवन संवाद प्रकाशन, मुंबई, 2006

20. डॉ0 धर्मवीर (सं.): सीमान्त उपदेश वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004

21. Singh, Sushila-Feminisim, Theory, Criticism, Analysis, Pen Craft int. Delhi 1977

22. Kukum/Sidhesh (Ed)- Recasting Women Kali for women, Delhi 1989

23. Millet Kate- Sexual Politics, New York, Doubleday, 1970

24. Jane Freedman-Feminism, Viva Book Pvt Ltd, New Delhi

25. Rosemarie Tong-Feminst thought: A Comprehensive Introduction, West View Press, Boulder and Sen Francisco. 1989

26. Sharmila Rege- Writing Caste/ Writing Gender: Narrating Dalit Women's Testimonios, Zubaan, New Delhi-2006

27. रमणिका गुप्ता : स्त्री विमर्श कलम और कुदाल के बहाने, शिल्पायन न.दि. 2004

पत्रिका (विशेषांक)

1. वसुधा – स्त्री विमर्श विशेषांक– अंक 59–60 स्त्री मुक्ति का सपना

2. हंस – स्त्री विमर्श विशेषांक अक्टूबर–04, अगस्त 04

HIN B01 - राजस्थानी भाषा और साहित्य

क्रेडिट 4 समय 3 घन्टे नोट – आलोचनात्मक प्रश्न (4X15) अथवा (4X10) पूर्णांक 100

1. भारतीय भाषाओं मे राजस्थानी का महत्व, राजस्थानी की प्रमुख विशेंषताएँ एवं प्रमुख बोलियाँ, राजस्थानी भाषा का इतिहास।

2. राजस्थानी साहित्य : गद्य एवं पद्य : निर्धारित पाठ

गद्य ' राजस्थानी गद्य चयनिका, सं. ब्रजनारायण पुरोहित, श्याम प्रकाशन, जयपुर

अचलदास खींची री वचनिका, सं. भूपतिराम साकरियां, पचंशील, जयपुर

(50)

पद्यः वंलि क्रिसन रूकमणी : पृथ्वी राठौड़, संपा नरोत्तम स्वामीः श्रीराम मेहरा एंड कं0 आगरा

(प्रांरम्भ से 225 ठंद बंसत वर्णन से पूर्व तक)

अंक विभाजनः

गद्य एवं पद्य की प्रत्येक पुस्तक से एक–एक व्याख्या होगी। 28 अंक

राजस्थानी भाषा की विशेषता, व्याकरण अथवा भाषा के इतिहास से संबंधित एक प्रश्न 16 अंक

राजस्थानी गद्य साहित्य चयनिका अथवा वचनिका से संबंधित एक समीक्षात्मक प्रश्न 16 अंक

राजस्थानी गद्य साहित्य बेलि अथवा रसधारा से संबंधित एक समीक्षात्मक प्रश्न 16 अंक

राजस्थानी साहित्य (गद्य–पद्य) के इतिहास से संबंधित दो टिप्पणियाँ (आंतरिक विकल्प देय, शब्द सीमा 300 शब्द) 24 अंक

पाँचवा प्रश्न टिप्पणीपरक होगा जिसमें दो टिप्पणियाँ 12–12 अंक अर्थात कुल 24 अंक की पूठी जायेंगी। दय टिप्पणीपरक प्रश्न में गद्य एवं पद्य के दतिहास से संअंणित टिप्पणियाँ होंगी। (आंतरिक विकल्प देय, शब्द–सीमा 300 शब्द होगी।)

अनुमोदित ग्रंथ

1. सुनीति कुमार चटर्जीः राजस्थानी शोध संस्थान उदयपुर।
2. डॉ0 तेसीतोरी (अनु. डॉ0 नामवर सिंह): पुरानी राजस्थानी, ना0 प्रचा. सभा, वाराणसी।
3. सीताराम लालसः राजस्थानी व्याकरण, जोधपुर।
4. डॉ0 नरोत्तमस्वामीः संक्षिप्त राजस्थानी व्याकरण, सार्दुल, राजस्थानी रिसर्च।
5. डॉ0 मोतीलाल मेनारियाः राजस्थानी भाषा और साहित्य, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
6. ग्रियर्सन : राजस्थान भाषा सर्वेक्षण (अनु. डॉ0आत्माराम जाडोरिया, राजस्थान भाषाप्रचार सभा., जयपुर)

7. डॉ0 भूपतिराम साकरिया तथा बद्री प्रसाद साकरियाः राजस्थानी हिन्दी – भाषा कोष भाग –2, पंचशील जयपुर
8. डॉ0 कृष्णबिहारी सहल : ढोला मारू रा दूहा : एक अध्ययन, आत्माराम एंड सन्स, दिल्ली।
9. श्रीमति ऊषा शर्मा : रूकमणहरण फूलाकृतः विश्लेषण एवं मूल्याकंन, ऊषा पब्लिशिंग हाउस, जोधपुर।
10. डॉ0 शिवस्वरूप शर्मा (संपा.) : राजस्थानी गद्यउद्भव और विकास, सार्दुल राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीट्सूट, बीकानेर।
11. डॉ0 किरण नाहटाः आधुनिक राजस्थानी साहित्यः प्रेरणास्त्रोत और प्रवृतियाँ
12. डॉ0 शंभूसिंह मनोहर : राजस्थानी शोध निंबध।

HIN B02 - विशेष साहित्यकार का अध्ययनः तुलसीदास

क्रेडिट 4 समय 3 घन्टे पूर्णांक 100

नोटः– आलोचनात्मक प्रश्न (4X15) व्याख्या (4X10)

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत निर्धारित कवि के जीवन और कृतित्व का समग्र अध्ययन अपेक्षित है।

निर्धारित कवि–तुलसीदास

अध्ययन के मुख्य बिन्दु

1. भारतीय इतिहास का मध्यकाल औरत तुलसीदास।
2. विचारधारा के रूप में भक्ति का उदय, विकास एवं राम भक्ति शाखा।
3. तुलसीदास का जीवन और उनके सुग का सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक परिदृश्य।
4. मध्य युगीन लोक जागरण और तुलसी का काव्य।
5. तुलसीदास की सामाजिक और दार्शनिक मान्यताएँ (रामचरितमानस और कवितावली के परिप्रेक्ष्य में)।
6. तुलसीदास की भक्ति–पद्धति (संदर्थ : विनयपत्रिका) और जीवन–दृष्टि (संदर्भः दोहावली)।

7. लोकजीवन और तुलसीदास का काव्य।
8. तुलसीदास की काव्य–भाषा।
9. भक्ति के मूल्यांकन–संबंधी समस्याएँ और तुलसीदास।
10. तुलसीदास की कविता का वैश्विक परिदृश्य।

रामचरितमानस : अयाध्याकांड

विनय पत्रिका : 165 से 189

कवितावली : 1 से 50

दोहावली : 1 से 50

संदर्भ ग्रंथ

1. रामचन्द्र शुक्ल सभा : तुलसीदास ग्रन्थवाली भाग 1,2,3, वाराणसी, न0प्र0
2. रामचन्द्र शुक्ल : गोस्वामी तुलसीदास, वाराणसी, 1972
3. कामिल बुल्के 1980 : रामकथाः उत्पति एवं विकास, प्रयाग विश्वविद्यालय,
4. रमेश कुन्तल मेघ : तुलसी आधुनिक वातायन से दिल्ली, 1973
5. प्रेमशंकर : रामकथा और तुलसी, दिल्ली, 1977
6. शिवकुमार मिश्र : भक्तिकाव्य और लोकजीवन, दिल्ली, 1993
7. विश्वनाथ त्रिपाठी 1974 : लोकवादी तुलसी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली,
8. बलदेव प्रसाद मिश्र 2005 : तुलसी दर्शन–हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग सं0,
9. उदयभान सिंह 1977 : तुलस काव्य मीमांसा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली,
10. भगीरथ मिश्र : महाकवि तुलसीदास और युग संदर्भ, इलाहाबाद, 1973
11. केसरी नारायण शुक्ल : मानस की रासी भूमिका विद्या मंदिर, लखनऊ, 1955
12. डॉ0 केशव प्रसाद सिंह: तुलसी संदर्भ और दृष्टि हिन्द प्रचारक, वाराणसी, 1974
13. श्री कृष्णलाल : मानस दर्शन आनन्द पुस्तक भवन, वाराणसी, 1949

14. सावित्री चन्द्रा : रामचरित मानस, साहित्य कुटीर, प्रयाग, 1949

15. Savitri Chandra Shobha: Social Life and Concepts in Medival Hindi Bhakti Poetry, Chaudrayan Publications, Meerut, 1983

HIN B03- रांगेय राघव

क्रेडिट 4 समय 3 घन्टे पूर्णांक 100

नोटः– आलोचनात्मक प्रश्न (4X15) व्याख्या (4x10)

1. रांगेय राघव का रचनाकार व्यक्तित्व का विकास
2. रांगेय राघव का रचना संसार
3. रांगेय राघव की उपलब्धियां – हिन्दी साहित्य को रांगेय राघव की देन।

पाठ्य–पुस्तकें–

1. कब तक पुकारूं (उपन्यास)– रांगेय राघव
2. पांचाली (खण्डकाव्य)– रांगेय राघव– पंचशील प्रकाशन, जयपुर
3. मेरी प्रिय कहानियांः रांगेय राघव, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली 1984

(उपर्युक्त तीनों पुस्तकों में से कब तक पुकारूं से दो व्याख्या तथा शेष दो पुस्तकों एक–एक व्याख्या और एक–एक प्रश्न पुछा जायेगा)।

अनुमोदित पुस्तकें

1. हिन्दी उपन्यास का उद्भव एवं विकासः डॉ0 सुरेश सिन्हा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 1965
2. उपन्यास की संरचना : डॉ0 गोपाल राय, राजकमल, दिल्ली, 2006
3. हिन्दी उपन्यास–समपादक– भीष्म साहनी, राजकमल, दिल्ली।
4. रांगेय राघवः एक अंतरंग परिचयः श्रीमती सुलोचना राघव, राजपाल, दिल्ली।
5. कथाकार रांगेय राघवः डॉ0 कमलाकार गंगावने, साहित्य रत्नालय, कानपुर।
6. वर्तमान साहित्यः रांगेय राघव विशेषांक, फरवरी–मार्च, 2005
7. रांगेय राघव– एक अन्तर्यात्रा– कल्याण प्रसाद वर्मा, विवेक, जयपुर।

HIN B04 - भारतेन्दु हरिशचन्द्र

क्रेडिट 4

नोटः– आलोचनात्मक प्रश्न (4X15) व्याख्या (4X10)

भारतेन्दु और उनका युग : सामान्य परिचय

भारतेन्दु युग की परिस्थितियाँ

भारतीय नवजागरण और भारतेन्दु

भारतेन्दु का गद्य–साहित्य

भारतेन्दु युगीन पत्र–पत्रिकाएँ

पत्रकार भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

भारतेन्दु की नाट्य–दृष्टि

परसी थियेटर इौर भारतेन्दु

भारतेन्दु के नाटको में नवजागरण के स्वर

अंधेर नाटक – आलोचनात्मक अध्ययन

हिन्दी नाटक और रंगमंच के विकास में भारतेन्दु को योगदान

कवि भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

भारतेन्दु के काव्य में परम्परा–निर्वाह और प्रगतिशीलता

भारतेन्दु के काव्य में आधुनिकता और समसामयिकता

भारतेन्दु काव्य में व्यंग्य

भारतेन्दु का काव्य–रचना–विधान और भाषा–शैली

आधुनिक हिन्दी कविता के विकास में भारतेन्दु का योगदान

साहित्यिक व्याखा

नाटक–अंधेर नगरी

काव्य–खण्ड–प्रेमाश्रुवर्षण (छंद संख्या– 4, 14, 19, 20) सतसई सिंगार (छंद संख्या– 2, 5, 13) मधु मुकुल (छंद संख्या– 9,23, 29,) हिन्दी की उन्नति पर व्याख्यान (दोहा संख्या– 5, 8, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43) नये जमाने की मुकरी (1, 2, 3, 4, 5)

पाठ्य पुस्तकः

1. भारतेन्दु समग्र — सं0 हेमन्त शर्मा

सहायक ग्रन्थ:

भारतेन्दु कालीन हिन्दी साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूति	– कमला कनौड़िया
भारतेन्दु और उनके अन्य सहयोगी कवि	– किशोरीलाल गुप्त
भारतेन्दु और उनके पूर्ववर्ती तथा परवर्ती कवि	– किशोरीलाल गुप्त
भारतेन्दु के निबंध	– केसरीनारायण शुक्ल
भारतेन्दु कालीन नाट्य साहित्य	– गोपीनाथ तिवारी
भारतेन्दु के नाट्कों का शास्त्रीय अनुशीलन	– गोपीनाथ तिवारी
भारतेन्दु युग	– रामविलास शर्मा
भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास–परम्परा	– रामविलास शर्मा
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ	– रामविलास शर्मा
भारतेन्दु की विचारधारा	– लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
भारतेन्दु और भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	– आरिफ नज़ीर
भारतेन्दु कालीन व्यंग्य–परम्परा	– ब्रजेन्द्रराथ पाण्डेय
भारतेन्दु का नाट्य–साहित्य	– ब्रजेन्द्रराथ पाण्डेय

HIN B05- हिन्दी सिनेमा

समय 3 घन्टे पूर्णांक 100

क्रेडिट 4 नोट – आलोचनात्मक प्रश्न (5X20)

1. सिनेमा – एक कला माध्यम : विकास का इतिहास

   भारतीय सिनेमा बरक्स हिन्दी सिनेमा

   मूक फिल्मों से प्रारंभिक दौर (सन् 1931 से पहले तक)

2. 1931 में आदर्शवाद / भक्ति से आगे यथार्ववाद, मार्क्सवाद, प्रगतिवाद इप्टा का दौर – सामाजिक सोद्देश्यता–प्रमुख स्वर

   1960 के बाद का सिनेमा – नए वित्त सहयोगियों का आगमन–मनोरंजन का प्राधान्य–लोकनायक बनाम लोकप्रिय नायक–लोकप्रिय फिल्मों का जोर–पूँजी का हस्तक्षेप–व्यक्तिवाद और हिन्दी फिल्मों के सर्वशक्तिमान नायक की परिकल्पना

   1973–कला फिल्मों का दौर–सामाजिक प्रतिरोध की कलात्मक अभिव्यक्ति–श्याम बेनेगल से प्रारंम्भ।

1990–के बाद – बाजारीकरण – पूँजी का संपूर्ण नियंत्रण कलात्मकता – सामाजिक सोद्देश्यता का हाशिये पर आना–उपभोगवादी दृष्टि का केन्द्रीय स्थिति में रहना। डिजीटल तकनीक से नए चमत्कारवाद का प्रवेश।

निष्कर्ष – हिन्दी – फिल्मों में सक्रिय रही प्रमुख प्रवृत्तियाँ उनकी फिल्मकार एवं फिल्में:–

1. निर्देशक की अभिव्यक्ति का माध्यम सशक्त निर्देशक – सभी भारतीय भाषाओं के हिन्दी के (Trend Setter) निर्देशक ।
2. हिन्दी साहित्यकार: फिल्मों में योगदान।
3. साहित्यिक कृतियों पर बनी फिल्मों की परम्परा।
4. फिल्मों के गीतकार (हिन्दी/उर्दू की सशक्त साझी परम्परा की अभिव्यक्ति)।
5. हिन्दी – फिल्मों में मध्यवर्ग।
6. हिन्दी फिल्मों का स्त्री विमर्श: सशक्त नारी (मदर इंडिया) से आरंभ होकर सजावट का सामान बनना उपभोक्तावादी संस्कृति की चरत परिणति।
7. हिन्दी फिल्मों की सामाजिक संस्कृति: मुस्लिम पात्र – परिदृश्य के केन्द्र से हटकर हाशिये पर चले जाना – मुस्लिम समुदाय का चित्रण – रोमांनी गैरयथार्थवादी/वास्तविकता से दूर हिन्दी फिल्मो मे दूसरे भारतीय समुदाय : मुस्लिम, पारसी, ईसाई, हिन्दी फिल्मों : में प्रवासी भारतीय।
8. दलित – समाज की कथा कहनी फिल्में।
9. फिल्म – समीक्षा।
10. फिल्म का तकनीकी पक्ष – पटकथा/संवाद/गीत संगीत आवयवकि एकता का निरूपण।
11. हिन्दी सिनेमा : मील का पत्थर : निर्देशक और फिल्में
    फिल्म – समीक्षा – आलोचनात्मक टिप्पणी
12. हिन्दी भाषा के विकास एवं विस्तार तथा हिन्दी के अखिल भारतीयकरण में हिन्दी फिल्मों का योगदान।

अनुभोदित पुस्तकें –

1. विनोद भारद्वाज : नया सिनेमा।
2. जयप्रकाश चौकसे : पर्दे के पीछे।
3. हिन्दी सिनेमा : बीसवीं से इक्कीसवीं सदी तक: (संपा0) प्रहलाद अग्रवाल, सहित्य भंडार, इलाहाबाद, 2009।

4. फिल्म निर्देशक : कुलदीप सिन्हा, राधाकृष्ण, न. दि. 2009।
5. भारतीय सिने सिद्धात : अनुपम ओझा, राधाकृष्ण न. दि.।
6. हिन्दी सिनेमा का सच (संपा.) शंभूनाथ, वाणी, न. दि.।
7. धूलों की यात्रा : पंकज राग, राजकमल, न. दि . 2009।
8. बिछुडे सभी बारी–बारी : विमल मित्र, वाणी प्रकाशन, न. दि, ।
9. बाजार के बाजीगर : प्रहलाद अग्रवाल, राजकमल, न. दि. ।
10. फिल्म का सौदर्यशास्त्र और भारतीय सिनेमा : (संपा.) कमला प्रसाद, शिल्पायन दिल्ली।
11. सिनेमा से संवाद : विष्णु खरे, हिन्दी बुक सेंटर, न. दि. 2009।
12. इश्क का जहर भरा प्याला : अनिता पाद्ध्येय, परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई।
13. ओ रे माझी : प्रहलाद अग्रवाल, रे माधव प्रकाशन, गाजियाबाद।
14. यादों का सफर : हरीश तिवारी मेघा बुक्स दिल्ली।
15. सुरीली यादें : हरीश तिवारी मेघा बुक्स, दिल्ली।
16. पटकथा लेखन एक परिचय : मनोहरश्याम जोशी, राजकमल, 2009।
17. सिनेमा के बारे में : जावेद अख्तर, राजकमल, न. दि. ।
18. सिनेमा के सौ वर्ष : मनमोहन चड्डा।
19. विनोद भारद्वाज : नया सिनेमा।
20. पर्दे के पीछे : जयप्रकाश चौकसे।
21. सिनेमा और संस्कृति : राही मासूम रजा (संपा./संकलन कुँवरपाल सिंह, वाणी, न. दि.।
22. बांबे टाकीज : राजकुमार केशवानी, वाणी प्रकाशन, न. दि.।
23. महेन्द्र मिश्र : सत्यजीत रायः पाथेर पांचाली और फिल्म जगत, राजकमल न. दि.।
24. विनोद तिवारी : फिल्म पत्र कारिता, वाणी, न. दि. जयपुर।

Books in English:-

1. Making Meaning in Indian Cinema – Ravi Vasudevan
2. Ideology of Hindi Films – Madhave Prasad
3. National Identity in Popular Hindi Cinema – Sunita Chakrovarti

4. India My India and Other Films : An overview – Yabar Abbas
5. Bombay Cinrma : Rajni Mojumdar – University of Meniseta, USA, 2007.

HIN B06- प्रेमचन्द

क्रेडिट 4 समय 3 घन्टे पूर्णांक 100

नोटः– आलोचनात्मक प्रश्न (4X10) व्याख्या (4X10)

1. प्रेमचन्द की जीवनी– उसके कुछ विवादास्पद
2. प्रेमचन्द का साहित्यिक विकास और उसका पक्ष
3. प्रेमचन्द की कृतियों का अध्ययनः–
   क. प्रेमचन्द और किसान प्रश्न
   ख. प्रेमचन्द और राष्ट्रवाद
   ग. प्रेमचन्द और स्त्री–प्रश्न
   घ. प्रेमचन्द और दलित
4. प्रेमचन्द की कलाः कहानी एवं उपन्यास कला।
5. किसी एक उपन्यास का विशेष आलोचनात्मक अध्ययन (गोदान को छोड़कर)
6. कुछ विशिष्ट कहानियों का गबन आलोचनात्मक अध्ययन कफन, पूस की रात, बड़े घर की बेटी, सद्गति, ठाकुर का कुँआ, शतरंज के खिलाड़ी, समरयात्रा सत्याग्रह विध्वंस, ईदगाह, बलिदान, सवा सेर गेहूँ, बूढ़ी काकी, नमक का दारोगा, दो बैलो की कथा।(कुल 15)
7. वैचारिकः राष्ट्रवाद हिन्दी और उसकी समस्याएँ, कौमी भाषा के विषय में, जीवन में साहित्य का स्थान, भारतेन्दु बाबू हरिशचन्द्र (साहित्य का उद्देश्य से)

अनुमोदितग्रंथ

1. हंसराज रहबर : प्रेमचन्दः जीवन और कृतित्व, आत्माराम, दिल्ली–1962
2. अमृतराय : कलम का सिपाही, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद–1962
3. रामविलास शर्मा : प्रेमचन्द और उसका युग, राजकमल, दिल्ली–1989
4. कमलकिशोर गोयनका : प्रेमचन्द कोश, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, 1981

: प्रेमचन्दः अध्ययन की नई दिशाएं, साहित्य निधि प्रकाशन, दिल्ली–1981

5. वीर भारत तलवार : किसान, राष्ट्रीय आन्दोलन और प्रेमचन्द, सौंदर्य बुक सेंटर, दिल्ली–1990

6. वीर भारत तलवार : राष्ट्रीय नवजागरण और साहित्य, सरस्वती पुस्तक भण्डार, दिल्ली, 1994

7. सत्यप्रकाश मिश्र : गोदान का महत्व, नई कहानी प्रकाशन, इलाहाबाद–1988

8. मीनाक्षी मुखर्जी : रियल्मि एण्ड रिशलिटीः नॉवेल एण्ड सोसायटी इन इंडिया, ओ.यू.पी. दिल्ली 1985

9. गीताजंलि श्री : बिटविन टू वल्डर्स मनोहर, दिल्ली, 1989

10. जाफर रजा : प्रेमचन्दः उर्दू हिन्दी कथाकार लोकभारती इलाहाबाद 1883

11. शिवरानी देवी : प्रेमचन्द घर में, आत्माराम एंड संस, दिल्ली, 1981

12. डॉ0 गोपाल राय : गोदानः अध्ययन की समस्याए, ग्रंथ निकेतन, पटना, 1996

13. अमृतराय : विविध प्रंसग खण्ड 1,2,3 हंस प्रकाशन, इलाहाबाद

14. अमृतराय, मदनगोपालः प्रेमचन्दः चिट्ठी पत्री खण्ड 1,2, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद 1978

15. सं0 मंगल मूर्ति : प्रेमचन्दः पत्र प्रंसग, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद, 1991

16. सं0 कमल किशोर : प्रेमचन्द का अप्राप्य साहित्य, खण्ड 1,2, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली, 1988

17. मन्मयनाथ गुप्त : प्रेमचन्दः व्यक्ति और साहित्यकार, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद, 1961

18. बिक्टर बालिन : कहानीकार प्रेमचन्द, अप्रितम प्रकाशन, दिल्ली, 1993

19. सं0 सदानंद शाही : दलित साहित्य की अवधारणा और प्रेमचन्द, प्रेमचंद साहित्य संस्थान, गोरखपुर, 2002

20. सं0 आलोक राय, मुश्ताक अलीः समक्षः प्रेमचंद की बीस उर्दू–हिन्दी कहानियों का समान्तर पाठ, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय एवं हंस प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002

21. श्रीनाराश्ण पांडे : प्रेमचंद का संघर्ष शांति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1987

22. नंददुलारे वाजपेयी : प्रेमचंदः एक साहित्यिक विवेचन, राजकमल, दिल्ली, 2000

23. संपादक मुरली मनोहर प्रसाद सिंह रेखा अवस्थीः प्रेमचंदः विगत महत्ता और वर्तमान अर्थकता राजकमल, न.दि. 2006

HIN B07- हिन्दी– साहित्य रूपों का सामाजिक संदर्भ

समय 3 घन्टे
नोट – आलोचनात्मक प्रश्न (5x20) पूर्णांक 100

इस पाठ्यक्रम में निर्धारित साहित्य–रूपों की विशिष्टताओं, उनकी उत्पत्ति एवं विलोपन के सामाजिक ऐतिहासिक एवं दार्शनिक संदर्भो का अध्ययन अपेक्षित है।

पाठ्यक्रम

1. महाकाव्य
2. उपन्यास
3. आधुनिक प्रगीत
4. आत्मकथा

साहित्य–रूपों की ऐतिहासिकता, साहित्य–रूपों की निरंतरता और बदलाव, साहित्य–रूपों में गुणात्मक एवं परिमाणात्मक परिर्वतन के दार्शनिक आधार, अनुभूति की बनावट और साहित्य–रूप, सामाजिक संरचना और साहित्य रूप, विचारधारा अैर साहित्य रूप।

महाकाव्य

पूर्व औधोगिक समाज औश्र महाकाव्य, महाकाव्यों मे मनुष्य और प्रकृति, महाकाव्यों मे इतिहास, मिथक एवं पुराकथाएँ, महाकाव्यों मे सामुदायिक जीवन एवं 'समग्रता' की धारणा, महाकाव्यों के आविर्भव, रूपांतरण और विलोपन के सामाजिक–ऐतिहासिक कारण। महाकाव्यों का भारतीय एवं योरोपीय परिप्रेक्ष्यः संरचनात्मक एवं अवधारणात्मक भेद।

उपन्यास

औद्योगिक क्रांति नवजागरण औश्र मध्यवर्ग का उदयः अमूर्त आदर्शवाद, अतिमानवीय एवं महाख्यानक नायकों की विदायी और आमजन की प्रतिष्ठाः उपन्यास और यथार्थवादः इतिहास राजनीति और मानव–नियति का नया रचनात्मक परिप्रेक्ष्यः उपन्यासों में समस्यामूलक नायक का उदयः भारतीय उपन्यास की अवधारणा : योरोप में उपन्यास– मध्यवर्ग के जीवन का महाकाव्य। भारतीय उवं औपनिवेशका समाजों में उपन्यास– कृषक समाज का महाकाव्य। उपन्यास–रूप एवं अन्तर्वस्तु। कुछ विशिष्ट उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन (गोर्की का 'मदर' और प्रमचन्द का 'गोदान'।)

आधुनिक प्रगीत और आत्मकथा

- आधुनिक प्रगीत और आत्मकथाः समाज और व्यक्तिः संबंधों का द्वन्द्व।
- आधुनिक प्रगीत एवं मध्यवर्गीय व्यक्तिवाद : अहं (सेल्फ) की अनुभूति और उदय।
- संस्कृत की लोकधर्मा प्रगीत परंपरा और हिन्दी प्रगीतः परंपरा में निरंतरता एवं परिर्वतन।
- प्रगीतों का उद्भवः सामाजिक उत्प्ररेकों की भूमिका और प्रगीत रूप।
- प्रगीतों का सामाजिक महत्त्व एवं ऐतिहासिक मूल्यवत्ता। भूमिका।

आत्मकथा

- आत्मकथा लेखन का आरम्भिक प्रयोजन और प्रेरक तत्त्व।
- स्त्री अस्मिता और दलित अस्मिता का उभारः 'स्व' की पहचान (आत्मकथाओं में अभिव्यक्ति समाज और इतिहास)।
- आत्मकथाओं की बनावट एवं रूप।
- आत्मकथाओं में अभिव्यक्ति समाज और इतिहास।
- कुछ विशिष्ट आत्मकथाओं का अध्ययन एवं उनके साहित्यिक एवं सामाजिक मूल्य का आकलन (रवीन्द्रनाथ टैगोर की 'आत्मकथा' एवं महात्मा गाँधी का 'भई एक्सपंरामंट विद ट्रुथ' का तुलनात्मक अध्ययन।)

अनुमोदितग्रंथ

1. निर्मला जैन : साहित्य का समाजशास्त्रीय चिंतन, हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली, वि.वि. 1986

2. अन्स्ट् फिशर : कला की जरूरत, राजकमल, न.दि. 1990

3. नामवर सिंह (संपा.) : कार्ल मार्क्सः कला और साहित्य चिंतन, राजकमल, न. दि. 1991

4. हजारी प्रसाद द्विवेदी : साहित्य सहचर, नैवेद्य निवेतन, वाराणसी, 1968

5. अभय कुमार दुबे (संपा.): आधुनिकता के आइने में दलित, वाणी, न.दि. 2005

6. जार्ज लूकाज : उपन्यास का सिन्द्धात, मैक्मिलन, न.दि. 1981

7. अर्नाल्ड हाउजर : कला का इतिहास दर्शन, ग्रंथ शिल्पी, न.दि. 2001

HIN B08 - हिन्दी– दलित एवं आदिवासी साहित्य

क्रेडिट 4 समय 3 घन्टे पूर्णांक 100

नोटः– आलोचनात्मक प्रश्न (4X15) व्याख्या (4X10)

1. भारतीय अमाज और दलित : अध्ययन की प्रविधि (अ) दलितत्थान और अंबेडकर, (ब) अछूतोद्धर और गॉधी (स) दलित वर्ग और मार्क्सवाद।

2. दलित साहित्य : दलित अस्मिता का पुनराख्यान मराठी और हिन्दी/दलित और स्त्री प्रश्न।

3. स्वाधीनता आंदोलन और आदिवासी साहित्य।

प्रस्तावित अध्ययन का पाठः

आत्मकथाः अपने–अपने पिंजरेः मोहनदास नैमिशराय

कविताएँः प्रथम पाँच कविः पुस्तकः दलित चुतना कविता, नवलेखना प्रकाशन, हजारीबाग, सं. रमर्णिकाा पुप्ता 1996 से।

'दलित चेतना–कविता' –पुस्तक से सं. रमणिका' गुप्ता नवलेखन प्रकाशन, हजारीबाग, 1996

(कुल 10)

1. हीरा डोम : 'अछूत की शिकायत'
2. ओम प्रकाश वाल्मीकिः 'बस्स बहुत होचुका वह मैं हूँ'
3. कँवल भारती : 'राम्बूक'
4. सूरज पाल चौहान : 'मेरा गाँव' कलात्मक के नाम पर

5. सुशीला टाकभौरे : 'घर की चौखट से बाहर' 'उगते अंकूर की तरह जीओ'
6. प्रज्ञा लोखंडे : 'अमीना (मराठी) (वसुधा पत्रिका से अंक 58, जू. सि. 2003)
7. जयंत परमाप (गुजराती): मैंने माँगा था एक घर (वसुधा पत्रिका से अंक 58, जू. सि. 2003)

कथा साहित्यः कहानियाँ

'दलित कहानी संचयन' से सं. रमणिका मुप्ता, साहित्य अकादमी, न. दि. 2003 (कुल 10)

1. रतन कुमार सांभरिया : 'फुलवा', 'बूढी' (हिन्दी)
2. नीरा परमार : 'वैतरणी' (हिन्दी)
3. बी.एल. नायर : 'चतुरीचमार की चाट' (हिन्दी)
4. बोया जंगय्या : 'पंरती जमीन'(तेलगु)
5. शरण कुमार निंबाले : 'जाति न पूछो' (मराठी)
6. गुरमीत कड़ियालवी : 'हकुरोड़ी और रेहड़ी' (पंजाबी)

उपन्यास

1. हरिराम : धूणी तपे तीर साहित्य उपक्रम, इलाहाबाद, दिसं. 2010

अनुमोदित ग्रन्थः–

1. महात्मा ज्योतिबा फुले रचनावली (1,2)– अनु एवं सं. – डॉ0 जी मेश्राम 'विमलकीर्ति' राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, संशोधित संस्करण 1996
2. डॉ0 अम्बेडकर : संपूर्ण वाड्मय, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली, 1993
3. काशीराम : चमचा युग (अनु. एस. एा. गौतम), सिद्धार्थ बुक्स, द्वितीय संस्करण, दिल्ली, 2007
4. आचार्य आनन्द झा : चार्वाकदर्शन, उ0प्र0 हिन्दी संसथान प्रभाग, लखनऊ, द्वितीय संस्करण, 1993
5. रामशरण शर्मा : शूद्रों का प्राचीन इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992

6. मधुलिमये : अम्बेडकर एक चिन्तन (अनु. मस्तराम कपूर), पटेल एजुकेशन सोसायटी, नई दिल्ली, 1999

7. राजकिशोर (सं.) : हरिजन से दलितः वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1994

8. ओमप्रकाश वाल्मीकि : दलित साहित्य का सौदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006

मुख्यधारा और अलित साहित्य, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006

9. शरण कुमार लिबाले : दलित साहित्य का सौदर्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2005

10. कबल भारती : दलित विमर्श की भूमिका, इतिहासबोध प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002

दलित साहित्य की अवधारणा बोधिसत्व प्रकाशन रामपुरा (उ.प्र.) 2006

सं.–दलित निर्वाचित कविताएं , इतिहासबोध प्रकाशन इलाहाबाद 2006

11. डॉ0 चन्द्र कुमार वरठे: दलित साहित्य आंदोलन, रचना प्रकाशन, जयपुर, प्रथम संस्करण, 1997

12. अजय कुमार(सं.) : दलित पैंथर आंदोलन, गौतम बुक सेन्टर, शाहदरा, दिल्ली, 2006

13. डॉ0 विमल थोरत : मराठी दलित कविता और साठोत्तरी हिन्दी कविता में सामाजिक आर राजनीतिक चेतना, हिन्दी बुक सेन्टर, नई दिल्ली, 1996

दलित साहित्य का स्त्रीवादी स्वर, अनामिका प्रकाशन, नई दिल्ली, 1880

डॉ0 विमल थोरात, उॉ0 सूरज बड़त्या (सं.): दलित कविता ाक विद्रोही स्वर, रावत प्रकाशन, 2008

14. डॉ0 तेजसिंह : आज का दलित साहित्य, अतिश प्रकाशन, नई दिल्ली, 1997

अम्बेडकरवादी साहित्य का समाजशास्त्र, किताबघर, नई दिल्ली, 2005

15. चमनलाल (सं.) : दलित और अश्वेत साहित्यः कुछ विचार इंडियन इस्टिटीयूट आफॅ एडवांस स्टडी, शिमला, 2002

दलित साहित्य एक मूल्यांकन, राजपाल एंड सन्स, दिल्ली 2002

16. पुरूषोत्तम अग्रवाल : संस्कृतिः वर्चस्व और प्रतिरोध, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1995

17. डॉ0 पुरूषोत्तम सत्यप्रेमीः दलित साहित्य और सामाजिक न्याय, कंचन प्रकाशन, विश्वास नगर, दिल्ली, 1996

18. ईशकुमर गंगानिया : अम्बेडकरवादी साहित्य विमर्श, किताबघर, नई दिल्ली, 2007

19. डॉ0 एन. सिंह : मेरा दलित चिंतन, कंचन प्रकाशन, विश्वास नगर, दिल्ली, प्रथम संस्करण, 1998

20. श्यौराज सिंह 'बेचैन' : चिंतन की परपम्रा और दलित साहिय नवलेखन प्रकाशनख हजारीबाग, 2001–01

21. रजतरानी मीनू : नवें दशक की हिन्दी कविता, दलित साहित्यप्रकाशन संस्था, नई दिल्ली, 1996

22. रमणिका गुप्ता : स्त्री नैतिकता का तालिबानीकरण, शिल्पायन, 2008

(सं.) दलित चेतना सोच, नवलेखन प्रकाशन, हजारीबाग, 1998

23. डॉ0 धर्मवीर : कबीर के आलोचक, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1997

कबीरः बाज भी, पपीहा भी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2003

कबीर के कुछ और आलोचक, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004

24. अभय कुमार दुबे(सं.) : आधुनिकता के आइने में दलित, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2002

25. शिवबाबू मिश्र : जूठन एक विमर्श, शब्दसृष्टि, दिल्ली,2006

26. माता प्रसाद (सं.) : लोकगीतों मे वेदना और विद्रोह के स्वर, सम्यक प्रकाशन, पश्चिमपुरी, नई दिल्ली, 2007

27. सूरजपाल चौहान (सं.): हिन्दी के दलित कथाकारों की पहली कहानी, अनुभव प्रकाशन गजियाबाद, दिल्ली, 2004

28. हरपाल सिंह 'अरूष' : दलित साहित्य की भूमिका, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2005

29. डॉ0 विवेक कुमार : दलित समाजः पुरानी समस्याएं नई आकांक्षाएं (एक समाजशास्त्रीय अवलोकन), सम्यक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007

आजादी का आंदोलन मूल निवासी पब्लिकेशन ट्रस्ट, नई दिल्ली, क्षितीय संस्करण, 2003

30. कांचा ऐलय्या : मैं हिन्दू क्यों नहीं (अनु. ओम प्रकाश वाल्मीकि), साम्य प्रकाशन, कोलकाता, प्रथम संस्करण, 2006

31. Walter Fernandes (ed): The Emerging Dalit Identity, Indian Social Institute, New Delhi, 1996

32. Dangle, Arjun (ed) : Poisoned Bread: Translation from Modern Marathi Dalit Literature, New Delhi, Orient, Longman, 1992

33. N.D. Kamble : The Deprived Class and There Struggle for Equalit. Ashish Publishing House, New Delhi, 1982

34. Barbara Joshi (ed) : Untouchable Voices of Dalit Liberation Movement, Select Service Syndicate, New Delhi, 1986

35. Eleanor Zelliot : From Untochable to Dalit, Manohar Publication, New Delhi, 1992

36. Gail Omewedt : Dalit Visions, Orient Longman, New Delhi, 1995

37. Sharmila Rege : Writing Caste/Writing Gender: Narrating Dalit Woman's Testimonios, Zubaan, New Delhi, 2006

38. Malashri Lal, Sharmistha: Signifying the Self, Women and Literature Naenillan Indian, Ltd, 2004 Panjab, Sumanyu Satpathy (eds)

39. Du bois W.E.B : The Soul of Black Flok., New York Literary Classic of the United States, 1986

40. Houston A. Baker jr. Blues: Ideology and Afro-American Literature (Chicago andn London) The University of Chicago Press, 1984

41. बद्री नारायण (संपा.) : दलित वैचारिक की दिशाएँ, राधाकृष्ण, न.दि. 2008

पत्रिकाएँ:–

- ❖ 'अपेक्षा' सम्पादक – डॉ0 तेजसिंह, दिल्ली,
- ❖ 'अम्बेडकर इन इंडिया', सम्पादक–दयानाथ निगम देवरिया, उ0प्र0
- ❖ 'दलित साहित्य वार्षिकी (1999 से 2007)', सम्पादक – जयप्रकाश कर्दम, अकादमिक प्रतिभा, प्रकाशन, दिल्ली
- ❖ 'डॉ0 अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका', डॉ0 अम्बेडकर राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान संस्थान, महू (म.प्र.)
- ❖ 'हंस, कथादेश', दिल्ली
- ❖ उत्तर प्रदेश: दलित साहित्य विशेषांक, सिम्तबर– अक्टूबर, 2002 संपा. विजयराय (लखनऊ.)

विशेषांक:–

हंस–सत्ता विमर्श और दलित, अगस्त 2004,

'वसुधा'– दलित विशेषांक, अंक–58

आर्यकल्प, अम्बेडकर विशेषांक, जनवरी 2008, अंक 1 संपा. अवधेश नारायण मिश्र

दलित आलोचना:–

1. दलित चेतना: साहित्यिक एवं सामाजिक सरोकार, समीक्षा प्रकाशन, दिल्ली 2001
2. दलित हस्तक्षेप (सं.पा): ओम प्रकाश वाल्मीकि, शिल्पायन, न.दि. 2004